page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/14/2025 12:41 AM Page 1

सत्यमेव जयते

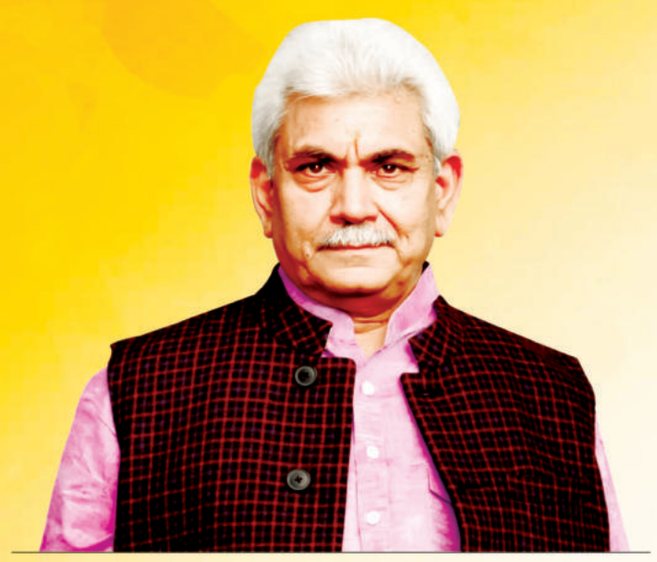

मनोज सिन्हा
उप राज्यपाल, जम्मू व कश्मीर

"राष्ट्रभक्ति, माँ-भारती से प्रेम, यह अगर शब्दों से परे की भावना है तो वन्दे मातरम् उस अमूर्त भावना को साकार स्वर देने वाला गीत है।"

- नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

माँ भारती को समर्पित देशभक्ति और आध्यात्मिकता के भाव से भरा गीत

वन्दे मातरम्

राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष का स्मरणोत्सव

**इस गौरवशाली अवसर का हिस्सा बनें,
'वन्दे मातरम्' का संस्करण अपलोड करें**

vandemataram150.in

समापन समारोह (चरण-I)

शुक्रवार, 14 नवंबर 2025
एमए स्टेडियम, जम्मू | सुबह 11:15 बजे

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग,
जम्मू व कश्मीर

DIP/J-7922/25
Dtd: 13-11-2025

@informationprjk | Information & PR, J&K | @diprjk | @dipr_jk

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

यह सच है कि खूबसूरती ईश्वर की देन है, पर उसे उभारना भी है एक कला। किस तरह का मेकअप आपको सूट करेगा, इसके लिए जरूरी है चेहरे के आकार को समझना

अब मिनटों में करें मेकअप

फाउंडेशन आपकी स्किन टोन से एकदम मेल खाता हुआ होना चाहिए। अधिक गहरा या अधिक हलका आपके कॉम्प्लेक्शन को खराब कर सकता है। साथ ही अच्छी तरह ब्लेंड होना भी जरूरी है। चेहरे पर ग्लो लाने के लिए फाउंडेशन लगाने से पहले शिमर मॉयस्चराइजर लगाएं। या फिर थोड़ा सा शिमर पाउडर मॉयस्चराइजर में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। फिर फाउंडेशन लगाएं।

कंसीलर- पर्याप्त नींद न ले पाने, धूम्रपान अधिक करने और एनीमिक होने के कारण आंखों के आसपास काले घरे हो जाते हैं। इन्हें छिपाने के लिए कंसीलर का प्रयोग करें। यह चेहरे के किसी भी दोष को छिपाने में मदद करता है। अपनी अंगुली के पोर पर हलका सा कंसीलर लेकर चेहरे पर लगाएं। या फिर किसी मुलायम फ्लैट ब्रश पर लें और प्रभावित स्थान पर अच्छी तरह लगाएं।

अगर आपकी त्वचा रूखी है, तो आपको लिक्विड कंसीलर इस्तेमाल करना चाहिए।

एक्ने और दाग-धब्बों को छिपाने के लिए सॉलिड कंसीलर ठीक रहता है। अगर आप लिक्विड या क्त्रीम बेस्ड फाउंडेशन प्रयोग कर रही हैं तो फाउंडेशन के बाद कंसीलर लगाएं। क्त्रीम टू पाउडर फाउंडेशन लगाने पर कंसीलर पहले लगाएं। अपनी त्वचा के रंग से हलका शेड कभी न चुनें। ऐसा करने पर आपका रंग दबा हुआ लेगगा। इस बात का ध्यान रखें कि कंसीलर बहुत ज्यादा न लगाएं। आपको चेहरे पर हलका टिंट देना देना है न कि मास्क लगाना है। कंसीलर के बाद ट्रास्लूसेंट पाउडर से डस्टिंग करना न भूलें।

ट्रिक्स - कंसीलर सा फाउंडेशन में येलो आईशैडो मिलाकर आंखों के काले घेरों को छिपाने के लिए इस्तेमाल करें। इसी तरह त्वचा की लकीरों को छिपाने के लिए अपने फाउंडेशन या कंसीलर में ब्ल्यू या ग्रीन आईशैडो मिलाएं। झाईयों को छिपाने के लिए पिंक आइशैडो कंसीलर से पहले लगाएं।

कॉम्पेक्ट पाउडर - चेहरे की जरूरत से अधिक चमक को कम करने के लिए लूज पाउडर का इस्तेमाल करें। ऐसा कॉम्पैक्ट पाउडर खरीदें, जो त्वचा से मेल खाए और उसमें समा जाए। इसे बडे ब्रश से आहिस्ता से लगाएं।

उपाय- फाउंडेशन लगाने के बाद अपने चेहरे पर एक टिश्यू पेपर रखकर हलका सा दबाएं ताकि त्वचा का अतिरिक्त तेल या पसीना हट जाए। इसके बाद पाउडर लगाएं।

आजमाएं- लोरियल आइडियल बैलेंस कॉम्पैक्ट ब्लश -यह आपके चेहरे के उभार को आकर्षक बनाने में मदद करता है। रात के मेकअप में खास तौर पर इसका प्रयोग जरूर करें। ब्लश लगाने के बाद अगर आपको मेकअप अधिक गहरा लगे तो टेंशन न लें। एक स्पॉन्ज से थपथपाकर कम कर दें।

आजमाएं- मेबलिन एक्सपर्ट वेयर ब्लश या मैक क्त्रीम ब्लश।

होंठ - लिप कलर हमेशा स्किन टोन, बाल और आखों केरंग से मेल खाना चाहिए। रात में ड्रामेटिक इफेक्ट देने के लिए गहरे लिप शेड्स का प्रयोग करें। जबकि दिन में टिंटेड या क्लियर लिप ग्लॉस इस्तेमाल करें।

उपाय- अपनी पसंद की लिपस्टिक शेड खुद बनाएं। लिपस्टिक के ऊपर स्पार्क्लिंग आईशैडो लगाएं या फिर थोडी सी वैसलीन के साथ मनपसंद आइशैडो मिलाकर एक नया शेड बनाएं। अगर आपके पास लिपस्टिक को ढंग से लगाने का समय नहीं होता तो रात में सोने से पहले होंठों पर नैचरल शेड की लिपिस्टिक लगाएं। और सुबह चेहरा साफ करके लिप ग्लॉस लगाएं। जल्दी में कभी भी लिपलाइन न बनाएं। लिपलाइन बनाने से होंठ प्रॉमिनेंट नजर आते हैं, लेकिन जल्दीबाजी में सही शेप न बन पाने से होंठों का लुक खराब लगेगा।

आजमाएं- रेवलॉन की रेड अर्थ, मेबलिन कॉपर शेड, लक्मे मेटैलिक शेड

आंखें - आंखों में काजल पेंसिल से बीच से बाहरी कोनों तक एक लाइन खींचें। आइलाइनर आप जैसा चाहें लगा सकती हैं। मेकअप में आंखों का मेकअप सबसे महत्वपूर्ण होता है। आइलाइनर पतला और स्ट्रेट लाइन में लगाएं। समय कम हो तो सिर्फ ट्रासपेरेंट मस्कारा नीचे और ऊपर दोनों आईलैश पर लगाएं। दिन में हलका आई मेकअप करें, रात में थोड़ा गहरा। रात में ब्रो बोन में शिमरिंग हाइलाइटर लगाने से आखें बेहद खूबसूरत लगती हैं। आजकल मिनिमल लुक चलन में है। इसलिए मिनटों में मेकअप करना आसान हो गया है। अगर आपने आंखों पर खास ध्यान दिया है तो होंठों के लिए ग्लिटरी लिप ग्लॉस ही काफी है। अगर होंठों पर गहरा मेकअप किया है तो आखों में हलका काजल और मस्कारा ही लगाएं।

उपाय- आंखों को खूबसूरत दिखाने के लिए आइलाइनर से पतली लाइन खींचें, फिर आईशैडो के साथ ब्लेंड कर दें। लोअर आईलैशेज पर ब्राउन या गोल्डेन आई पेंसिल से हलकी रेखा जरूर खींचें।

आजमाएं- मैक का फ्लूइड आइलाइनर, मेबलिन ट्रासपेरेंट मस्कारा या मैरी के का एक्स्ट्रा वॉल्यूमाइजिंग मस्कारा

मस्कारा - अपनी आइलैशेज के लिए परफेक्ट मस्कारा चुनें और उसे हमेशा अपने साथ रखें। चाहे आपको ग्लैमर लुक देना हो या गर्ल नेक्स्ट डोर लुक, मस्कारा हर लुक के लिए जरूरी है। अपने लिए मस्कारा चुनने से पहले कुछ बातों पर जरूर ध्यान दें -

अगर आपकी आइलैशेज बहुत छोटी हैं तो लाइटनिंग मस्कारा चुनें। अगर आइलैशेज काफी पतली और हलकी हैं तो ऐसा मस्कारा चुनें जो उन्हें वॉल्यूम दे। यानी वॉल्यूमाइजिंग मस्कारा। अगर आपकी आईलैशेज लंबी और घनी हैं तो आप किस्मत वाली हैं, लेकिन इन्हें और आकर्षक बनाने के लिए आपको कर्लिंग मस्कारा चुनना चाहिए।

उपाय- मस्कारा लगाने पर एक जगह जमा न हो जाए, इसके लिए पहला कोट पतला लगाएं। अगर फिर भी लैशेज पर मोटा-मोटा जम जाए तो आइलैशेज कोम्ब से आहिस्ता से कंघी करके लैशेज को अलग-अलग कर लें।

जब आप अपने लिए परफेक्ट मस्कारा चुन लें, फिर कलर्ड मस्कारा भी लगा सकती हैं। अपने कॉम्प्लेक्शन के मुताबिक कलर्ड मस्कारा भी आजमा सकती हैं। ब्लैक एंड ब्राउन मस्कारा हर अवसर के लिए मुफीद होता है और यह आपके परिधानों के साथ मेल भी खाता है।

आजमाएं- मेबेलिन लैश स्टाइलिश मस्कारा लोरियल पेरिस वॉल्यूम शॉकिंग मस्कारा

आप स्विमिंग की योजना बनाती हैं या खुशी के अवसर पर आपके आंसू निकल जाते हैं, आप जल्दी भावविभोर होकर रोने लगती हैं तो बेहतर होगा कि आप वॉटरप्रूफ मस्कारा लगाएं। यह तीन रंगों में आसानी से उपलब्ध है-ब्लैक, ब्राउन और ब्ल्यू।

आप चाहें तो कर्लर से आखें कर्ल भी कर सकती हैं।

टैटूज का मतलब अलग लोगों के लिये अलग होता है कुछ लोग अनूठेपन के स्टेटमेंट के लिये टैटू चुनते हैं जबकि कुछ लोगों के लिये टैटू या क्लॉन को सिम्बॉलाइज़ करता है।

कितने प्रकार के टैटू

एमेच्योर टैटूज

ये शुरूआती टैटूज हैं जो अपने नेचर में क्रूड होते हैं क्योंकि ये ऐसे व्यक्ति द्वारा बनाये जाते हैं जिसे स्पेशलाईज्ड एक्सपीरियंस नहीं होता। ये टैटूज एस्थेटिक नेचर के नहीं होते और अस्वच्छ दशाओं में डाईंग के लिये इस्तेमाल होने वाले असामान्य तत्वों द्वारा बनाये जाते हैं। इनसे इंफेक्शन का खतरा काफी अधिक होता है क्योंकि इन्हें बनाने वाले प्रोफेशनल नहीं होते।

कल्चरल या धार्मिक टैटूज

कुछ एथनिक ग्रुप्स के टैटूज का छुपा हुआ अर्थ होता है। ये किसी नेटिव ग्रुप में रैंक और एचिवमेंट्स को सिम्बलाइज करते हैं। इनको बनाने की पारंपरिक विधिया काम में लाई जाती हैं।

प्रोफेशनल टैटूज

ये टैटूज ऐसे लोगों द्वारा बनाये जाते हैं जिनको बनाने वाले प्रोफेशनल्स टैटूइंग में स्पेशलाइज्ड होते हैं। नीडिल्स वाली एक टैटू मशीन त्वचा को पंक्चर करती है और रंग को त्वचा लेयर के अंदर डालती है।

कॉस्मेटिक टैटूज

टैटूज को मेकअप के रूप में बालों की इमिटेटिंग फीचर्स को उभारने में जैसे कि लिप्स (लिप लाइनर्स) या आखें (आईब्रोज, आई लाइनर) और यहा तक कि मोल्स के लिये भी किया जाता है। त्वचा के डिस्कलरेशन को टैटू बनवाकर छिपाया जा सकता है।

मेडिकल टैटूज

ऐसा टैटू बनवाने वाले किसी इमर्जेन्सी के समय किसी खास मेडिकल कंडीशन या ब्लड ग्रुप की किस्म के संकेत के लिये इसे बनवाते हैं। ब्रेस्ट रिकास्ट्रक्शन के कुछ रूपों में टैटू का उपयोग एरोला बनाने के लिये किया जा सकता है।

ट्रॉमाटिक टैटूज

ये टैटूज जानबूझकर नहीं बनवाये जाते बल्कि किसी एक्सीडेंट के दौरान शरीर में कोई बाहरी चीज धंस जाने से बनते हैं। उदाहरण के लिये पेंसिल अनायास चुभने पर त्वचा लेयर के नीचे ग्रेफाईट रह सकती है जो काले बिंदु के रूप में दिखती है।

व्यक्तित्व में निखार लाएं मोती जैसे दांत

दांत खाना खाने के लिए तो जरूरी है ही, मोहक, प्रभावशाली व्यक्तित्व के लिए भी महत्वपूर्ण है। कुछ लोग यूं तो बहुत खूबसूरत होते हैं, लेकिन मुंह खोलते ही उनका आकर्षण खत्म हो जाता है। कुछ ऐसा ही हुआ मनाली के साथ। उसके हाथ से मॉडलिंग का अवसर सिर्फ इसलिए छूट गया, क्योंकि उसके दांत छोटे-बड़े हैं और पीले भी पड़ गए हैं। ऐसा कुछ आपके साथ न हो, इसलिए शुरू से ही दांतों की उचित देखभाल जरूरी है।

जब बच्चों के दांत उग आएं, तभी से सुबह व रात में सोते समय ब्रश की आदत डाल देनी चाहिए। खाते समय भोजन के कण दांतों के बीच फंस जाते है, जो ब्रश करने से निकल जाते है। यदि इन्हे न निकाला जाए तो ये सड़ने लगते हैं, जिससे दांतों में सड़न और कैविटी पैदा हो जाती है। इस कारण दांतों में तेज दर्द हो सकता है व असमय दांत टूट सकते है। लोग सोचते है दूध केदांत तो टूट जाते है। इतनी देखभाल क्यों करे? दूध के सभी दांत एक साथ नहीं टूटते। एक-एककर टूटते जाते हैं और उनकी जगह नए दांत आते-जाते हैं। अगर कोई पुराना सड़ा हुआ हो तो वह नए दांत को भी सड़ा सकता है।

जरूरी है दांतों की सफाई

बच्चों को टॉफियां खासतौर से पसंद होती है। ध्यान रखें कि कुछ भी मीठा खाने के बाद बच्चे कुल्ला जरूर करें। कुछ लोग समझते हैं कि टूथपेस्ट का अधिक इस्तेमाल करने से दांत ठीक से साफ होते है। ऐसा नहीं है, बल्कि अधिक टूथपेस्ट दांतों की ऊपरी सुरक्षा परत इनामेल को नुकसान पहुंचा सकता है। सामान्यतया ऐसे टूथपेस्ट का उपयोग करना चाहिए जिसमें फ्लोरीन हो। फ्लोरीन हड्डियों में पाया जाने वाला एक तत्व है। यह दांतों को मजबूत बनाता है। लेकिन ज्यादा फ्लोरीन भी दांतों को पीला और खराब कर सकता है। इस बीमारी को फ्लोरोसिस कहते है। जिस क्षेत्र के पानी में फ्लोरीन की मात्रा अधिक हो, वहां के लोगों को फ्लोरीन वाले टूथपेस्ट से बचना चाहिए।

विटामिंस का करें भरपूर उपयोग

दांतों के साथ मसूड़ों की देखभाल भी जरूरी है। ब्रश के बाद मसूड़ों की उंगलियों से हलकी - हलकी मालिश करें। कुछ बीमारियों के बाद मसूड़े ढीले पड़ जाते हैं और दांत हिलने लगते है। कभी-कभी मसूड़ों में छाले भी पड़ जाते है। ऐसे में भोजन में नमक-मिर्च आदि का उपयोग कम करे, क्योंकि उनसे जलन होती है। साथ ही ध्यान रखना चाहिए कि दांतों पर कोई आघात न पहुंचे क्योंकि उस समय ये टूट सकते है। खाने में विटमिन बी कॉम्प्लेक्स व विटामिन सी का भरपूर प्रयोग करे और डॉक्टर की सलाह का पालन करे ताकि आपके मसूड़े जल्द से जल्द स्वस्थ हो जाएं। विटामिन सी आंवला, संतरा, मौसमी, टमाटर, साग-सब्जियों में मिलता है। इसका नियमित सेवन आपको स्कर्वी और पायरिया से दूर रखेगा। पायरिया मसूड़ों की बीमारी है जो एंट अमीबा जिंजिवेलिस नाम के कीटाणु से होती है। इसमें मुंह से दुर्गंध तथा मसूड़ों से खून आने की शिकायत होती है। पायरिया होने पर डॉक्टर के परामर्श का पालन करे। दवाओं के साथ-साथ हाइड्रोजन-पर-ऑक्साइड से कुल्ला करना भी लाभदायक हो सकता है।

दूर करें कैविटी

दांत अगर सड़ जाएं और उसमें कैविटी बनने लगे तो कैविटी को भरवाया जा सकता है। इससे पहले दांत को अच्छी तरह से साफ व कीटाणुमुक्त करना पड़ता है। ताकि कैविटी भरने के बाद अंदर कोई कीटाणु न रह जाए और दांत को फिर से सड़ने से बचाया जा सके। ज्यादा सड़े या जड़ों से कमजोर दांतों को निकलवाकर उनकी जगह नकली दांत या नए दांतों का सेट लगवाया जा सकता है।

दांतों का सौंदर्य बढ़ाएं

दांत पीले पड़ गए हों या दो दांतों के बीच अधिक दूरी हो, दांत छोटे-बड़े या बाहर की ओर निकले हों तो इससे भी चेहरे के सौंदर्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। ऐसे में डेंटिस्ट से अवश्य मिलें। डेंटिस्ट की सलाह पर पीले दांतों की सफाई करवाएं। बाहर की ओर निकले या दूरी वाले दांतों पर कुछ दिनों के लिए क्लिप लगवाएं। बड़े दांतों को घिसवा सकती है। छोटे दांतों में नीचे से दांतों जैसा दिखने वाला पदार्थ जोड़कर उन्हे समान आकार का बनवाया जा सकता है।

आकर्षक मुस्कान के लिए

सौंदर्य विशेषज्ञा डॉ. ब्लॉसम कोचर के मुताबिक, आपके चेहरे की कंप्लीट स्माइल मेकओवर भी की जा सकती है। इसमें आपके चेहरे के आकार को देखकर ये आकलन किया जाता है कि इस पर कैसी मुस्कान और दांत अच्छे लगेंगे। फिर उसके अनुसार हम बेहतर मुस्कान का अभ्यास कराते है। स्माइल मेकओवर क्लासेस में हंसने के तरीके के साथ ही चेहरे के हाव-भाव के बारे में भी बताया जाता है। ताकि हंसते समय आपके चेहरे का प्रभाव दूसरे पर अच्छा हो।

चेहरे के आकार को देखकर हम यह अनुमान लगाने की कोशिश करते है कि आप पर कैसे दांत व कैसी मुस्कान अच्छी लगेगी। फिर असली दांतों का आकार बदला जाता है व जरूरत पड़ी तो नकली दांत लगा दिया जाता है। दांतों का पूरा सेटअप बदलने के साथ यह बताया जाता है कि आपके लिए किस तरह हंसना ठीक रहेगा। हालांकि यह मौके पर निर्भर करता है। यानी मनचाही मुस्कान जिसमें सब कुछ आकर्षक हो, वैसा हो, जैसा आप चाहे, हासिल की जा सकती है। एक प्यारी सी मुस्कान कई अनकही बातें कह जाती है और कई दिल जीत लेती है। आप इन बातों का ख्याल रख सकें तो चमचमाते दांत आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगाएंगे और हर कोई कहेगा-स्माइल प्लीज।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

epaper.dehatsandesh.com

5 जापान मास्टर्स - लक्ष्य सेन क्वार्टरफाइनल में

7 तुर्किये ने लालकिला विस्फोट कांड में उसका हाथ होने की खबरों का खंडन किया

8 भारत की स्वाधीनता के पक्षधर थे भगवान बिरसा मुंडा : सीएम योगी

मौसम जम्मू — न्यूनतम 10, अधिकतम 24

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-279 | जम्मू तवी, शुक्रवार 14 नवम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

उपराज्यपाल ने उच्च शिक्षा क्षेत्र में बदलाव को अपनाने के महत्व पर दिया ज़ोर

जम्मू, 13 नवंबर । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज जम्मू विश्वविद्यालय के 19वें (द्वितीय विशेष) दीक्षांत समारोह में शिरकत की।

अपने दीक्षांत भाषण में उपराज्यपाल ने उच्च शिक्षा क्षेत्र में बदलाव को अपनाने के महत्व पर ज़ोर दिया और संकाय सदस्यों से कौशल-प्रधान पाठ्यक्रम, विभिन्न विषयों में सहयोग और भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज की माँगों को पूरा करने के लिए उभरते रुझानों के साथ तालमेल बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

उपराज्यपाल ने कहा कि अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करके अनुसंधान के बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करने और परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज एक वास्तविकता है, कोई तकनीकी बात नहीं और जितनी जल्दी हम तकनीक और मानवीय क्षमता का संतुलित मिश्रण बनाने की आवश्यकता को स्वीकार करेंगे उतना ही हम आधुनिक परिवर्तन के अनुकूल खुद को ढाल पाएँगे।

उपराज्यपाल ने छात्रों को उनकी जीवन यात्रा के लिए पाँच मूलभूत मार्गदर्शक सिद्धांत दिए। सबसे पहले जीवन में सफल होने के लिए विनम्रता, सीखने की ललक और कार्य नैतिकता को कभी न भूलें। आपकी डिग्री पहली बार अवसरों के द्वार खोलेगी लेकिन आपकी प्रतिभा, दृढ़ संकल्प, समर्पण, पुनः कौशल विकास और बदलाव के साथ तालमेल बिठाने की इच्छाशक्ति ही भविष्य में अनगिनत अवसर सुनिश्चित करेगी। दूसरा दयालु और करुणामय बनें। कौशल आपको नौकरी दिलाते हैं लेकिन आपका चरित्र और आपके आदर्श ही यह सुनिश्चित करते हैं कि आप जीवन में आगे बढ़ें। आपकी यात्रा में संस्कार, ईमानदारी, विश्वसनीयता और विश्वास किसी भी अन्य योग्यता से ज्यादा आपके करियर को परिभाषित अपने जीवन में सीखना कभी बंद न करें। पेशेवर दुनिया उन लोगों को पुरस्कृत करती है जो साहसी होते हैं और सीखने, प्रयोग करने, अनुकूलन करने और गलतियों को महारत में बदलने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। चौथा विश्वास न करें बल्कि जिज्ञासु बनें। यह आपको एक नया रास्ता अपनाने और आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करने में मदद करेगा। पाँचवाँ खुद को पुनः कौशल प्रदान करने में लचीला और लचीला बनें। उपराज्यपाल ने कहा कि हमेशा याद रखें कि अगर आपमें सीखने की ललक है तो पूरी दुनिया एक विश्वविद्यालय परिसर बन जाएगी और यह आपको विचारों को समाधान में बदलने में मदद करेगी। उपराज्यपाल ने देश के शैक्षिक परिदृश्य में जम्मू विश्वविद्यालय के अनुकरणीय योगदान के लिए उसे बधाई दी। उन्होंने सभी विषयों में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए छात्राओं को भी बधाई दी।

टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई ने हासिल की ऐतिहासिक रफ्तार : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 13 नवंबर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में तपेदिक (टीबी) नियंत्रण में मिली ऐतिहासिक सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई उल्लेखनीय गति से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2025 में यह स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है कि भारत में टीबी के मामलों में 2015 की तुलना में उल्लेखनीय कमी आई है और यह गिरावट वैश्विक औसत से लगभग दोगुनी तेज़ है।

प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए गुरुवार को एक्स पर लिखा, टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई उल्लेखनीय गति से आगे बढ़ रही है। डब्ल्यूएचओ की ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2025 के अनुसार, भारत ने 2015 से अब तक टीबी की घटनाओं में सराहनीय कमी दर्ज की है, जो वैश्विक औसत दर से लगभग दोगुनी है। यह दुनिया में दर्ज हुई सबसे तेज़ गिरावटों में से एक है। उतना ही उत्साहजनक है उपचार कवरेज का बढ़ना, 'मिसिंग केस' की कमी और उपचार सफलता में निरंतर वृद्धि। मैं उन सभी को बधाई देता हूं जिन्होंने इस सफलता में योगदान दिया है। हम एक स्वस्थ और फिट भारत सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार भारत में टीबी के नए मामलों (टीबी इंसीडेंस) में 21 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है- 2015 में प्रति लाख जनसंख्या पर 237 मामले थे, जो 2024 में घटकर 187 रह गए हैं। यह दर वैश्विक औसत गिरावट (12 प्रतिशत) की तुलना में लगभग दो गुना है। भारत ने टीबी मृत्यु दर को भी उल्लेखनीय रूप से घटाया है। वर्ष 2015 में प्रति लाख जनसंख्या पर 28 मौतें होती थीं, जो 2024 में घटकर 21 रह गई हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत उपचार कवरेज 92 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो अन्य उच्च-भार वाले देशों और वैश्विक औसत से अधिक है। साथ ही उपचार सफलता दर 90 प्रतिशत रही है, जबकि वैश्विक दर 88 प्रतिशत है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय स्वास्थ्यकर्मियों, सामुदायिक कार्यकर्ताओं, निक्षय मित्रों और टीबी उन्मूलन मिशन से जुड़े सभी नागरिकों को देते हुए कहा कि यह सफलता जनभागीदारी और प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग का प्रमाण है।

खबर संक्षेप

सुरक्षाबलों ने पुंछ के छह सीमावर्ती इलाकों में चलाया तलाशी अभियान

पुंछ, 13 नवंबर । जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के तहत सुरक्षा बलों द्वारा गुरुवार को पुंछ जिले के छह सीमावर्ती इलाकों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह अभियान विशेष अभियान समूह (एसओजी), सेना और सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम ने जिले के सलवाह जंगलों, बरेला कास, कस्बलारी, बाग्योते, परनई परियोजना नक्का मंझारी के सामान्य क्षेत्र और गुरसाई मूरी सीमावर्ती इलाकों में चलाया। सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं और स्थानीय लोगों से अपने इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों के बारे में कोई भी जानकारी साझा करने का आग्रह किया गया है।

वन विभाग कठुआ की लकड़ी तस्करों पर बड़ी कार्रवाई, पंजाब जा रहे लकड़ी से लदे चार ट्रक जब्त

कठुआ, 13 नवंबर । लकड़ तस्करों के खिलाफ जारी अभियान के तहत डीएफओ कठुआ अंकित सिन्हा आईएफएस के समग्र पर्यवेक्षण में कठुआ वन विभाग ने पंजाब में तस्करी कर ले जाए जा रहे ईंधन-लकड़ी से लदे चार ट्रकों को जब्त किया है। जानकारी के अनुसार एक विश्वसनीय स्रोत से प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर वन रेंज अधिकारी नरिंदर कुमार और जसरोटा वन रेंज अधिकारी मुनीश गुप्ता की प्रत्यक्ष निगरानी में कठुआ वन रेंज की वन टीम ने बीओ मुख्यालय कठुआ अंशु शर्मा के नेतृत्व में एफसीपी बाम्याल, नगरी और जसरोटा रेंज के कर्मचारियों की सहायता से नाका लगाया। नाका चेकिंग के दौरान पंजीकरण संख्या जेके02सीके-8157, जेके02एजे-9017, जेके11डी-4708 और जेके02बीके-4771 नंबर वाले चार ट्रकों को दिवाकर ईंट भट्ठा माही चक कठुआ के परिसर से वन उपज (ईंधन की लकड़ी) से लदे हुए जब्त किया। जिसके बाद वन विभाग की टीम ने प्रतिबंधित वन उपज को प्रदेश से बाहर तस्करी करने का प्रयास करने के आरोप में सभी ट्रकों के चालकों को भी जांच के लिए हिरासत में लिया।

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस समारोहों में तैनात होंगे दस हजार पुलिस कर्मी

चंडीगढ़, 13 नवंबर । गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित आयोजनों को सुरक्षित और सुचारू ढंग से संपन्न करवाने के लिए पंजाब पुलिस ने संगतों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्नत निगरानी प्रणाली, बल की रणनीतिक तैनाती और 24 घंटे तालमेल के साथ एक व्यापक, बहु-स्तरीय सुरक्षा और सुविधा योजना लागू की है।

स्पेशल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने गुरुवार को बताया कि आनंदपुर साहिब में 23 से 25 नवंबर तक होने वाले स्मृति समारोहों में देश-विदेश से भारी संख्या में संगतों के आने की उम्मीद है। उन्होंने स्पेशल डीजीपी (सुरक्षा) सुधांशु एस. श्रीवास्तव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ज़मीनी स्तर पर सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस समीक्षा बैठक में एडीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) एसपीएस परमार और एसएसपी रूपनगर गुलनीत सिंह खुराना भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू विश्वविद्यालय के 19वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

जम्मू, 13 नवंबर । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज कहा कि उनकी सरकार ने जम्मू-कश्मीर में उच्च शिक्षा की पहुँच, गुणवत्ता और प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए कई परिवर्तनकारी सुधार किए हैं - ये सुधार जम्मू विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों और सबसे महत्वपूर्ण, इसके छात्रों को सीधे तौर पर लाभान्वित करते हैं। वह जनरल जोरावर सिंह ऑडिटोरियम में आयोजित जम्मू विश्वविद्यालय के 19वें (द्वितीय विशेष) दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री, जो विश्वविद्यालय के प्रो-कुलपति भी हैं, इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, सांसद गुलाम अली खटाना और सतपाल शर्मा, मुख्य सचिव अटल डुल्लू, कुलपति प्रो. उमेश राय, विश्वविद्यालय परिषद के सदस्य प्रो. ए.के. कौल, वरिष्ठ संकाय सदस्य, विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाले, उपाधि प्राप्त करने वाले, छात्र और गौरवान्वित अभिभावक उपस्थित थे। अपने संबोधन में, मुख्यमंत्री ने स्नातक छात्रों, पदक विजेताओं और पीएचडी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और दीक्षांत समारोह को संस्थान और इससे जुड़े सभी लोगों के लिए गर्व, उत्सव और चिंतन का क्षण बताया। माता-पिता, अभिभावकों और परिवारों के लिए - इस गौरवशाली क्षण तक पहुँचने में आपका समर्थन, त्याग और विश्वास आवश्यक रहा है। यह उपलब्धि आपके बच्चों के साथ-साथ आपकी भी है, मुख्यमंत्री ने भावी पीढ़ियों को आकार देने में परिवारों और शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि जम्मू विश्वविद्यालय लगातार प्रगति कर रहा है और आज 11 ऑफ-साइट परिसरों, 40 शैक्षणिक विभागों और 160 से अधिक संबद्ध कॉलेजों के साथ शिक्षा के एक केंद्र के रूप में खड़ा है, जो पूरे जम्मू-कश्मीर में छात्रों की शैक्षिक आकांक्षाओं को पूरा कर रहा है।

जम्मू-कश्मीर का हर निवासी आतंकवादी नहीं, शांति भंग करने वाले कुछ ही लोग : उमर

जम्मू, 13 नवंबर । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को नई दिल्ली के लाल किले के पास हुए विस्फोट की निंदा की।

साथ ही उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर का हर निवासी आतंकवादी नहीं, बल्कि शांति भंग करने वाले कुछ लोग ही हैं।मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा कि जब हम जम्मू-कश्मीर के हर निवासी और हर कश्मीरी मुसलमान को एक ही विचारधारा से देखते हैं और सोचते हैं कि उनमें से हर एक आतंकवादी है, तो लोगों को सही रास्ते पर रखना मुश्किल हो जाता है। दिल्ली में कथित आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि इस क्षेत्र में शांति और भाईचारे को नष्ट करने वाले कुछ ही लोग हैं और हर कश्मीरी को आतंकवाद से जुड़ा बताना उचित नहीं है। कोई भी धर्म इतनी क्रूरता से निर्दोष लोगों की हत्या को उचित नहीं ठहरा सकता। जांच जारी रहेगी, लेकिन कुछ ही लोग हैं, जिन्होंने हमेशा शांति और भाईचारे को नष्ट किया है।

दिल्ली विस्फोट मामला : कश्मीर में 13 ठिकानों पर सीआईके की छापेमारी जारी

श्रीनगर, 13 नवंबर । काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने श्रीनगर जैश-ए-मुहम्मद की साजिश और दिल्ली बम विस्फोट की जांच के सिलसिले में गुरुवार को कश्मीर घाटी में 13 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस सप्ताह की शुरुआत में लाल किला विस्फोट में शामिल नेटवर्क की व्यापक जाँच के तहत जम्मू-कश्मीर सीआईडी द्वारा एकत्रित खुफिया सूचनाओं के आधार पर ये तलाशी ली जा रही है। सीआईके कर्मियों की कई टीमें स्थानीय पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर छापेमारी कर रही हैं।

सतीश शर्मा ने जम्मू मिडनाइट मैराथन के तीसरे संस्करण के लिए आधिकारिक जर्सी का अनावरण किया

जम्मू, 13 नवंबर । फिटनेस और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के एक उत्साही कदम के तहत, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, परिवहन, सूचना प्रौद्योगिकी, युवा सेवा एवं खेल मंत्री, सतीश शर्मा ने आज यहाँ मौलाना आज़ाद स्टेडियम में 15 नवंबर 2025 को आयोजित होने वाली जम्मू मिडनाइट मैराथन - तीसरे संस्करण के लिए आधिकारिक जर्सी का अनावरण किया।

जर्सी का अनावरण करते हुए, सतीश शर्मा ने जम्मू में नाइट मैराथन के विचार को सफलतापूर्वक साकार करने और उसे कायम रखने के लिए आयोजकों के प्रयासों की सराहना की, जो फिटनेस और खेलों के प्रति शहर के बढ़ते उत्साह का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं बल्कि सामाजिक एकता, युवा जुड़ाव और सामुदायिक गौरव को भी मजबूत करते हैं।

मंत्री ने कहा, फ्रजम्मू मिडनाइट मैराथन हमारे युवाओं की जीवंतता, अनुशासन और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। मैं प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवा पीढ़ी से आग्रह करता हूँ कि वे आगे आएँ और फिटनेस, सहनशक्ति और एकजुटता का जश्न मनाने के लिए इस मैराथन में भाग लें।

मंत्री ने बुनियादी ढाँचे को बढ़ाकर, जनभागीदारी को प्रोत्साहित करके और सभी स्तरों पर एथलीटों के लिए अधिक अवसर प्रदान करके केंद्र शासित प्रदेश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने आगे ज़ोर देकर कहा कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के विज़न के तहत, जम्मू और कश्मीर खेल विकास में बदलाव देख रहा है,

पुलिस ने जमात-ए-इस्लामी और जम्मू-कश्मीर नेशनल फ्रंट के सदस्यों से संबंधित शोपियां में कई जगहों पर ली तलाशी

शोपियां, 13 नवंबर । आतंकी तंत्र और उसके सहयोगी ढाँचों को ध्वस्त करने के अपने निरंतर प्रयासों को जारी रखते हुए शोपियां पुलिस ने आज जमात-ए-इस्लामी और जम्मू-कश्मीर नेशनल फ्रंट के सदस्यों और सहयोगियों से जुड़े ज़िले भर में कई जगहों पर व्यापक तलाशी ली।

एक पुलिस प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि ये तलाशी आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों में किसी भी तरह की सहायता चाहे वह सैन्य हो या वित्तीय प्रदान करने में शामिल व्यक्तियों और नेटवर्क की पहचान करने के उद्देश्य से चल रही कार्रवाई का हिस्सा है।

ज़िले में सुरक्षा ढाँचे को मज़बूत करने के निरंतर प्रयासों के तहत आज भी विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाए जा रहे हैं। शोपियां पुलिस कानून के शासन को बनाए रखने और सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करके शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है।

आतंकी मॉड्यूल मामले में कश्मीर में पूछताछ के लिए दस लोगों को पकड़ा

श्रीनगर, 13 नवंबर । सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल मामले में कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से तीन सरकारी कर्मचारियों सहित लगभग 10 लोगों को पूछताछ के लिए उठाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि जाँचकर्ताओं ने रात भर की छापेमारी के दौरान अनंतनाग, पुलवामा और कुलगाम ज़िलों से संदिग्धों को पकड़ा। सोमवार को दिल्ली में हुए विस्फोट जिसमें 13 लोग मारे गए थे के बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने घाटी में आतंकी तंत्र के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्धों से पूछताछ में पता चला है कि उनमें से कुछ पिछले एक साल में तुर्किये गए थे। विस्फोटकों के विशाल भंडार की बरामदगी के सिलसिले में डॉक्टरों सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है जबकि जाँचकर्ताओं ने अब तक सफेदपोश आतंकवादी मॉड्यूल के संबंध में 200 से ज़्यादा लोगों से पूछताछ की है।

हीरानगर क्षेत्र में अवैध खनन/परिवहन में लिप्त 04 वाहन जब्त

कठुआ, 13 नवंबर। अवैध खनन के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के नेतृत्व में कठुआ पुलिस ने थाना हीरानगर अधिकार क्षेत्र में कुल 04 वाहनों को जब्त किया है, जिनका उपयोग अवैध खनन/परिवहन के लिए किया जा रहा था। जानकारी के अनुसार थाना हीरानगर के प्रभारी निरीक्षक आशीष शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अपने क्षेत्राधिकार में गश्त करते हुए, बिना किसी कानूनी अनुमति के निर्माण सामग्री रेत और बजरी के अवैध खनन/परिवहन में संलिप्त 04 वाहनों संख्या जेके21डी-9878, जेके21जे-8799, जेके21जे-8049, जेके08जी-3273 को जब्त किया। उपर्युक्त 04 वाहनों को कठुआ पुलिस द्वारा जब्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए भूविज्ञान और खनन विभाग कठुआ को सौंप दिया गया है।

मोटी रकम के बदले सरकारी नौकरी दिलाने के मामले में दो आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल

श्रीनगर, 13 नवंबर । क्राइम ब्रांच कश्मीर की विशेष अपराध शाखा ने कुलगाम के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में दो आरोपियों के खिलाफ रणबीर दंड संहिता (आरपीसी) की धारा 419, 420 और 120-बी के तहत एफआईआर संख्या 19/2023 में आरोप पत्र दाखिल किया है।

सीबीके के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि यह मामला एक लिखित शिकायत से शुरू हुआ है जिसमें शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि आरोपियों ने मोटी रकम के बदले सरकारी नौकरी दिलाने के बहाने उन्हें धोखे से ठगा था। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस स्टेशन विशेष अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच कश्मीर) में एक औपचारिक प्रारंभिक जाँच शुरू की गई। जांच के दौरान प्रथम दृष्टया में यह बात सामने आई कि आरोपियों ने शिकायतकर्ताओं को सरकारी विभागों में नौकरी दिलाने का वादा करके उन्हें बेईमानी से बहकाया और धोखाधड़ी के ज़रिए उनकी गाढ़ी कमाई हड़प ली। आगे की जाँच से पता चला कि पीड़ितों का विश्वास जीतने और अपराध को अंजाम देने में मदद करने के लिए एक आरोपी ने खुद को कश्मीरी प्रवासी भी बताया था। प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ धारा 419 (छद्मवेश द्वारा धोखाधड़ी), 420 (धोखाधड़ी और बेईमानी से संपत्ति की डिलीवरी के लिए प्रेरित करना) और 120-बी (आपराधिक षड्यंत्र) आरपीसी के तहत दंडनीय अपराध स्थापित किए गए। परिणामस्वरूप न्यायिक निर्णय के लिए आरोप पत्र माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

जीजीएम साइंस कॉलेज में वंदे मातरम नारा कार्यक्रम आयोजित

जम्मू, 13 नवंबर । जीजीएम साइंस कॉलेज, जम्मू में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत वाद-विवाद, संगोष्ठी और संगोष्ठी समिति की ओर से एक विशेष वंदे मातरम नारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों में मातृभूमि के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को प्रबल बनाना था। कार्यक्रम की शुरुआत बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर एक परिचय के साथ हुई। इसके पश्चात छात्रों और संकाय सदस्यों ने पूरे उत्साह के साथ वंदे मातरम, भारत माता की जय और

जय हिंद के गगनभेदी नारे लगाए, जिससे परिसर देशभक्ति की भावना से गूंज उठा।

वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को राष्ट्र के गौरवशाली स्वतंत्रता संग्राम और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने छात्रों को अनुशासन, एकता और राष्ट्र के प्रति निस्वार्थ सेवा के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में एनएसएस और एनसीसी स्वयंसेवकों सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी की।

संपादकीय

साइबर अपराधियों से कदम आगे रहकर ऐसे अपराधों को रोका जाए

जम्मू और कश्मीर पुलिस की विभिन्न शाखाएँ वास्तविक समय में सामने आने वाले साइबर अपराध के मामलों को सुलझाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं, लेकिन ज़रूरत इस बात की है कि साइबर अपराधियों से कदम आगे रहकर ऐसे अपराधों को रोका जाए, जो समय-समय पर अपनी कार्यप्रणाली बदलकर हितधारकों को धोखा देते हैं और यहाँ तक कि अपनी अवैध गतिविधियों, खासकर वित्तीय अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए बनाई गई एजेंसियों को भी चकमा देते हैं।यह सराहनीय है कि साइबर पुलिस स्टेशन जम्मू ने कथित तौर पर साइबर धोखाधड़ी के कई पीड़ितों से 39,37,537 रुपये की वसूली और वापसी में सफलतापूर्वक मदद की है। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर 59,72,000 रुपये की कुल साइबर धोखाधड़ी से जुड़ी कुल 12 शिकायतें दर्ज की गईं और उन्हें जाँच के लिए साइबर पुलिस स्टेशन जम्मू को सौंपा गया। कड़ी मेहनत, वित्तीय संस्थानों के साथ समय पर समन्वय और व्यवस्थित तकनीकी सत्यापन के माध्यम से, जाँच टीमों ने संबंधित पीड़ितों को धोखाधड़ी की गई राशि की सफलतापूर्वक वापसी सुनिश्चित की। यह कदम सराहनीय है, लेकिन समय की मांग है कि इस दिशा में कदम उठाए जाएँ ताकि कोई भी बेईमान तत्व पूरे क्षेत्र में नई आबादी को ठग न सके, क्योंकि बैंकिंग अनुप्रयोगों के अलावा इंटरनेट और सोशल मीडिया का स्वतंत्र रूप से उपयोग करने वाले लोग साइबर धोखेबाजों की कार्रवाइयों के प्रति संवेदनशील होते हैं क्योंकि वे लगातार बदलती रणनीतियों का उपयोग करके और भोले-भाले लोगों को फँसाने के लिए परिस्थितियाँ बनाकर उन्हें बेवकूफ़ बनाने में माहिर होते हैं।यह बेहद ज़रूरी है कि सरकार तकनीकी रूप से कम जानकार लोगों सहित आम जनता को शिक्षित करने के लिए व्यापक पहल करे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आमतौर पर इंटरनेट का उपयोग करने वाले समुदाय सुरक्षित डिजिटल प्रथाओं को अपनाएँ।यह सलाह दी जाती है कि सरकार हितधारकों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए एक विशेष प्रकोष्ठ या इकाई बनाए ताकि उन्हें ऑनलाइन अनुप्रयोगों के सुरक्षित उपयोग के लिए साइबर अपराधियों की हर नई कार्यप्रणाली से अवगत कराया जा सके क्योंकि ये ऐसे अपराधों के लिए अधिक संवेदनशील होते हैं, खासकर वित्तीय लेनदेन से जुड़े मामलों में।यह अच्छी बात है कि जेकेपी के साइबर सेल ने ऐसे मामलों से निपटने में दक्षता हासिल कर ली है, जैसा कि परिणाम भी बताते हैं, लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है एक ऐसे समाज का निर्माण करना जो ऑनलाइन गतिविधियों के दौरान उत्पन्न होने वाले ऐसे खतरों से सुरक्षित रहना जानता हो, क्योंकि यह उन साइबर अपराधियों के लिए अंतिम करारा जवाब होगा, जो इंटरनेट और सोशल मीडिया पर अपने नए शिकार की तलाश में हमेशा तत्पर रहते हैं।

भारत को घरेलू रासायनिक उर्वरक उत्पादन बढ़ाने के उपाय करने ही होंगे

भारत के लिए अपने कृषि उत्पादन को आयातित उर्वरक पर अत्यधिक निर्भर बनाना कोई अच्छी बात नहीं है। देश को रासायनिक उर्वरकों का घरेलू उत्पादन बढ़ाना होगा। जहां मौजूदा उर्वरक उत्पादकों को अपनी-अपनी क्षमता का व्यापक विस्तार करने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता है, वहीं नई इकाइयों को तेज़ी से स्थापित करने के लिए आकर्षक प्रोत्साहन दिए जाने चाहिए। रणनीतिक दृष्टि से, खाद्य सुरक्षा से जुड़े भारत के कृषि उत्पादन को आयातित उर्वरकों पर अत्यधिक निर्भर बनाना गलत होगा।यह समझना मुश्किल है कि अपनी आज़ादी के 78 साल बाद भी, दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश भारत अपनी 1.46 अरब से ज़्यादा आबादी का पेट भरने के लिए आयातित उर्वरक पर भारी निर्भरता बनाए हुए है। चीन द्वारा अक्टूबर के मध्य से निर्यात निलंबित करने के बाद, भारत में सर्दियों के सबसे महत्वपूर्ण रबी फसल सीज़न से पहले, उर्वरक मूल्य में अचानक वृद्धि हुई और इसमें आगे भी वृद्धि की संभावना बलवती हो गयी है, जो विशेष रूप से गेहूं के साथ-साथ चना, मटर, सरसों और जौ जैसी अन्य फसलों के उत्पादन और मूल्य को प्रभावित करेगी।चीन के बाद भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक देश है। रबी की फसलें शरद ऋतु (अक्टूबर-नवंबर) में बोई जाती हैं और वसंत (मार्च-अप्रैल) में काटी जाती हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा उर्वरक आयातक बना हुआ है, जबकि रूस के बाद चीन दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उर्वरक निर्यातक रहा है।

चीन ने अगली सूचना तक उर्वरक के निर्यात को निलंबित कर दिया है। चीन से टीएमएपी (तकनीकी मोनोअमोनियम फॉस्फेट) जैसे विशेष उर्वरकों और एडब्लू जैसे यूरिया-समाधान उत्पादों के साथ-साथ डीएपी (डायमोनियम फॉस्फेट) और यूरिया सहित पारंपरिक मृदा पोषक तत्वों की आपूर्ति नहीं होगी। बताया जाता है कि भारत लगभग 95 प्रतिशत विशेष उर्वरक चीन से आयात करता है। देश में सालाना लगभग 2,50,000 टन विशेष उर्वरकों की खपत होती है, जिनमें से लगभग 65 प्रतिशत का उपयोग रबी मौसम के दौरान किया जाता है। वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों में दक्षिण अफ्रीका, चिली और क्रोशिया शामिल हैं।भारत में रासायनिक उर्वरक उत्पादन इतना कम है कि चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों के दौरान देश में सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाले यूरिया का आयात भी दोगुने से अधिक बढ़कर 58.62 लाख टन हो गया है। पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान, भारत ने 24.76 लाख टन यूरिया का आयात किया था। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अनुसार, नवम्बर महीने और दिसंबर के लिए लगभग 17.5 लाख टन उर्वरकों का आयात प्रस्तावित है। उर्वरकों की कमी को पूरा करने के लिए, सरकार चीन द्वारा निर्यात निलंबन के मद्देनजर आयात बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास कर रही है ताकि न केवल बढ़ती घरेलू मांग को पूरा किया जा सके, बल्कि निकट भविष्य के लिए बफर स्टॉक भी बनाया जा सके। हाल के निर्यात मूल्य आंकड़ों के आधार पर, उर्वरकों के प्रमुख आयात स्रोत रूस, केनडा, अमेरिका, मोरक्को, सऊदी अरब और नीदरलैंड हैं।भारत अपने लोगों का पेट भरने के लिए अपने मजबूत कृषि उत्पादन को बनाए रखने हेतु यूरिया, डाइ-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) और म्यूरेट ऑफ पोटाश (एमओपी) जैसे कई प्रकार के उर्वरकों के साथ-साथ विभिन्न एनपीके कॉम्प्लेक्स उर्वरकों का आयात करता है। सरकार की प्राथमिक मुफ्त खाद्यान्न आपूर्ति योजना राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के अंतर्गत आने वाले लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त खाद्यान्न प्रदान करती है। इस योजना को दिसंबर 2028 तक बढ़ा दिया गया है।इस योजना के तहत खाद्यान्न (चावल, गेहूं या मोटा अनाज) पूरी तरह से मुफ्त प्रदान किया जाता है। यह पूरी तरह से केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित है, जिसका अनुमानित वित्तीय परिव्यय इस अवधि में लगभग 11.80 लाख करोड़ रुपये है। इसके लिए कृषि उत्पादन में निरंतर वृद्धि आवश्यक है। देश में साल-दर-साल उर्वरकों के बड़े पैमाने पर आयात के कारण, कृ षि उत्पादन में तीव्र वृद्धि देखी जा रही है। वित्त वर्ष 2024-2025 में कृषि उत्पादन में रिकॉर्ड 5.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2025-26 के लिए, विकास लक्ष्य 3.5 प्रतिशत है। बड़े पैमाने पर उर्वरक आयात और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को सरकार द्वारा दी जाने वाली नकद सहायता ने खाद्य उत्पादन को बढ़ावा देने में मदद की है।

भारत के लिए अपने कृषि उत्पादन को आयातित उर्वरक पर अत्यधिक निर्भर बनाना कोई अच्छी बात नहीं है। देश को रासायनिक उर्वरकों का घरेलू उत्पादन बढ़ाना होगा। जहां मौजूदा उर्वरक उत्पादकों को अपनी-अपनी क्षमता का व्यापक विस्तार करने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता है, वहीं नई इकाइयों को तेज़ी से स्थापित करने के लिए आकर्षक प्रोत्साहन दिए जाने चाहिए। रणनीतिक दृष्टि से, खाद्य सुरक्षा से जुड़े भारत के कृषि उत्पादन को आयातित उर्वरकों पर अत्यधिक निर्भर बनाना गलत होगा। यह विशेष रूप से तब और भी कठिन हो जाता है जब प्रमुख आयात स्रोत सीमित हों। इन स्रोतों में रूस, सऊदी अरब, ओमान, मोरक्को और चीन शामिल हैं। विशिष्ट प्रकार के उर्वरक की आवश्यकता की पूर्ति के लिए भारत उन पर निर्भर करते हैं।भारत में कोरोमंडल इंटरनेशनल, चंबल फर्टिलाइजर्स, नेशनल फर्टिलाइजर्स, राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स, गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स, फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स त्रावणकोर लिमिटेड, पारादीप फॉस्फेट्स जैसी कई उर्वरक कंपनियां हैं। इसके अलावा, दो बड़ी सहकारी समितियां भी हैं- इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड (इफको) और कृषक भारती कोऑपरेटिव (कृभको)। मजबूत सरकारी समर्थन से भारत के उर्वरक उत्पादक एक चुनौतीपूर्ण लेकिन परिवर्तनकारी दौर से गुजर रहे हैं। चालू वर्ष के मध्य से आपूर्ति की कमी और अस्थिर वैश्विक कीमतों का सामना करने के बावजूद, दीर्घकालिक आपूर्ति वृद्धि सहित सकारात्मक विकास हुए हैं। 2025 के मध्य में आपूर्ति संबंधी समस्याएं उत्पन्न हुईं, तथा घरेलू उत्पादन और आयात में गिरावट के कारण यूरिया और डीएपी जैसे प्रमुख उर्वरकों का भंडार तेज़ी से कम हुआ।वैश्विक आपूर्ति में रुकावट, विशेष रूप से आयातित डीएपी के लिए, 2025 के मध्य में कीमतों में उल्लेखनीय उछाल का कारण बनी, जिससे उत्पादकों के मार्जिन पर दबाव बढ़ा और आधिकारिक सब्सिडी लागत में वृद्धि हुई। सरकार आयात बढ़ाकर घरेलू उत्पादन और मांग के बीच के अंतर को पाटने के लिए काम कर रही है, साथ ही यूरिया पर निर्भरता कम करने और संतुलित पोषक तत्वों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक प्रयास भी कर रही है। घरेलू उद्योग को 2024-25 के लिए उर्वरक सब्सिडी आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ महत्वपूर्ण बजटीय सहायता मिली।कैबिनेट ने सामर्थ्य सुनिश्चित करने के लिए रबी 2025-26 सीज़न के लिए दरों को भी मंज़ूरी दे दी है। देश ने अगले पांच वर्षों के लिए डीएपी की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सऊदी अरब के मादेन के साथ दीर्घकालिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। घरेलू उर्वरक उद्योग रणनीतिक रूप से संतुलित पोषक तत्वों के उपयोग की ओर बढ़ रहा है। इससे समग्र यूरिया उत्पादन में थोड़ी गिरावट आ सकती है, लेकिन दीर्घावधि में कृषि पारिस्थितिकी तंत्र अधिक स्वस्थ और टिकाऊ हो सकता है।

एक कृषि प्रधान देश, जिसकी अधिकांश जनसंख्या अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है और जिसकी इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका है,अपनी कृषि का भविष्य आयातित उर्वरकों पर नहीं छोड़ सकता। वास्तव में, कृषि एक रणनीतिक क्षेत्र है। भारत के लगभग 42 प्रतिशत कार्यबल कृषि में कार्यरत हैं और यह देश के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 17-18 प्रतिशत का योगदान देता है। देश को घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देकर, उर्वरकों का विवेकपूर्ण उपयोग करके और स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास जैसी पहलों के माध्यम से नवाचार करके उर्वरक आयात पर अपनी अत्यधिक निर्भरता को समाप्त करना होगा। देश को पुराने उर्वरक संयंत्रों को पुनर्जीवित करने और नए संयंत्र बनाने, नैनो यूरिया जैसे विकल्प विकसित करने और अधिक संतुलित, जैविक कृषि पद्धतियों की ओर बदलाव को बढ़ावा देने के लिए कड़े प्रयास करने होंगे।

धरती आबा- बिरसा मुंडा

ऋचा सिंह

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में ऐसे कई महानायक हुए हैं जिन्होंने अंग्रेजों और अंग्रेजी सत्ता को सीधी चुनौती देकर स्वतंत्रता सेनानियों के लिए नया आदर्श स्थापित किया। भारतीय संस्कृति को आत्मसात करने वाले ऐसे कई महापुरुष का जीवन प्रेरणा प्रद होने के साथ ही देश और समाज को राष्ट्रीयता का बोध कराता है। अपने जीवन की चिंता ना करते हुए समाज के लिए सब कुछ अर्पण करने वाले नायक निश्चित ही पूजनीय हो जाते हैं।

देश की संस्कृति, परंपरा एवं धरोहर की रक्षा की बात की जाए तो जनजातीय समाज का स्थान अग्रिम पंक्ति में आता है। भारत की आजादी की लड़ाई में सैकड़ों जनजातीय बलिदानियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर स्वतंत्रता दिलाई। उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम कोई क्षेत्र ऐसा नही जहां जनजातियों ने अंग्रेजों से लोहा नहीं लिया हो। धरती आबा कहे जाने वाले बिरसा मुंडा ऐसे ही एक नायक थे जिन्होंने देश और समाज के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। जनजातीय समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष करने के साथ बिरसा मुंडा ने भारत पर राज करने वाली ब्रिटिश सरकार के विरोध मे ऐसा जन आंदोलन खड़ा किया जिसने समाज को जागरूक करने के साथ अंग्रेजो को भारत की भूमि छोड़ने पर विवश कर दिया।

भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी एवं मुंडा जनजाति के लोक नायक बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश राज के दौरान 19वीं शताब्दी के अंत में बंगाल प्रेसीडेंसी में हुए आदिवासी धार्मिक संस्कृति आंदोलन का नेतृत्व किया जिससे वह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बनने के साथ अपने अनुयायियों के बीच धरती आबा के तौर पर पूजे जाने लगे। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में अंग्रेजी सरकार के दमनकारी नीतियों के खिलाफ संघर्ष के ध्वजवाहक बिरसा मुंडा छोटा नागपुर के क्षेत्र में अंग्रेजी राज के खिलाफ हुए संघर्ष में भारतीय जनमानस को शोषण मुक्त शासन के खिलाफ एकजुट कर जन, जंगल, जमीन,आजादी और अस्मिता के लिए आवाज उठाने (उलगुलान) हेतु आवाहन किया। स्वाधीनता की लड़ाई में जनजातीय समाज के द्वारा किए गए बलिदान , शौर्य पूर्ण संघर्ष तथा उनके गौरवशाली परंपरा एवं वीरता के विषय में लोग जान सके, इसके लिए भारत सरकार द्वारा स्वाधीनता के 75 वर्ष पर बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखण्ड के खुटी जिले उलीहातू , रांची जिला, बंगाल प्रेसीडेंसी में हुआ था जिसे वर्तमान में खूंटी जिला झारखंड के नाम से जाना जाता है ।

बिरसा मुंडा का जन्म गरीब जनजाति दंपति सुगना एवं कुरमी मुंडा के पुत्र के रूप में हुआ। अपनी प्रारंभिक पढ़ाई सल्गा ग्राम में करने के बाद बिरसा ने चाई बास जी ई इन चार्च स्कूल से आगे की शिक्षा ग्रहण की। बिरसा के संघर्ष का प्रारंभ बचपन में शिक्षा ग्रहण करने के साथ ही प्रारंभ होगया। बिरसा पढ़ने में बहुत अच्छे थे। प्रारम्भिक पढ़ाई के बाद आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए उनको ईसाई धर्म अपना कर शिक्षार्जन के लिए विवश किया गया । बिरसा बचपन से ही प्रखर बुद्धि के बालक थे, किसी अन्य धर्म को अपना कर अपने संस्कृति और धर्म की आलोचना सुनना उन्हे गवारा नहीं हुआ। इस कारण उन्होंने अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ कर अपने धर्म में गहरी आस्था रखने के साथ लोगों को ईसाई मिशनरियों के खिलाफ़ संगठित भी करने लगे। धीरे-धीरे इनके प्रभाव से ही मुंडा समाज के लोगों में संगठित होने की चेतना जागी। अपने समुदाय के लोगों के उत्पीड़न, उनकी जमीन पर बाहरी लोगों (दीकू) के कब्जे , जंगल के उत्पादों पर अंग्रेजो के आधिपत्य, खेती हेतु अंग्रेज़ी सरकार को कर प्रदान करने से लेकर अंग्रेजी अधिनियम के खिलाफ जो वनवासियों को जंगल के अधिकार से दूर कर रहा था, जैसे विभिन्न मुद्दों को लेकर बिरसा मुंडा ने लोगों को जागरूक किया और आंदोलन कर अंग्रेजों को इतना छका दिया जिससे परेशान होकर अंग्रेज़ी सरकार ने बिरसा को पकड़ने के लिए 500 रुपए का इनाम भी रखा था।

इंडियन फॉरेस्ट एक्ट 1882 पारित कर अंग्रेजों ने वनवासियों एवं आदिवासियों के गांव जहां वह खेती करते थे उसमें नई राजस्व व्यवस्था प्रारंभ कर दी थी। इसके पहले मुंडा जनजाति में भूमि कोई विक्रय की वस्तु नहीं थी न ही भूमि पर खेती के लिए कर देय था । मुंडाओं में भूमि समतावादी व्यवस्था के अनुसार सभी को समान रूप से मिली थी। बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश भारत में अंग्रेजों के विरुद्ध आंदोलन का नेतृत्व किया 1899 में बिरसा ने अंग्रेजो के खिलाफ बिगुल फूंक दिया इस प्रकार मुंडा उलगुलान शुरू हुआ। बिरसा ने अंग्रेजी सरकार के शोषण के खिलाफ आंदोलन की चिंगारी फूकी। अपने शिष्यों को एकत्र कर मुंडा ने उन्हें गुलामी से आजादी दिलाने के लिए 1894 में उलगुलान की घोषणा से अपने जन जंगल जमीन पर अधिकार के लिए संघर्ष प्रारंभ कर दिया। मुंडा समुदाय ने अंग्रेजी राज को समाप्त करने और मुंडा की स्थापना करने का निर्णय लिया वे सभी ब्रिटिश अधिकारियों को अपने क्षेत्र से बाहर निकाल देना चाहते थे। बिरसा ने अबुआ दिशुम अबुआ राज जिसका अर्थ है हमारा देश, हमारा राज का नारा देकर अपने समुदाय के लोगों को इस आवाहन से जागरूक किया। मुंडा के इस आवाहन से सभी आदिवासी अपने जमीन एवं जंगल पर दावेदारी के लिए संगठित हो गए जिससे अंग्रेजी सरकार के पांव उखड़ ने लगे। अंग्रेजी सरकार ने मुंडा उलगुलान को दबाने और दमन करने का हर संभव प्रयास किया लेकिन मुंडा समाज के एकजुट संघर्ष एवं शौर्य के आगे वह असफल रहे। 1897 से 1900 के बीच आदिवासी मुंडाओं ने संगठित होकर अंग्रेजों से कई युद्ध किए और अंग्रेजों को वहां से उखड़ने पर मजबूर कर दिया। मुंडा आंदोलन संगठित एवं उग्र था अपनी अस्मिता के लिए प्रखर था परिणामत: हर बार अंग्रेजों को मुंह की खानी पड़ी। बिरसा को मुंडाओ ने अपना भगवान धरती आबा मान लिया था।

जिग्मे सिंगये वांगचुक- आधुनिक भूटान के निर्माण और भारत-भूटान मित्रता के शिल्पकार

- डॉ सत्यवान सौरभ

भूटान का इतिहास एक ऐसे अद्भुत शासक की गवाही देता है जिसने न केवल अपने देश को आधुनिकता के मार्ग पर अग्रसर किया, बल्कि उस आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को भी सुरक्षित रखा जिसने उसे एक विशिष्ट राष्ट्र के रूप में पहचान दी। यह शासक थे चतुर्थ राजा जिग्मे सिंगये वांगचुक , जिन्होंने साल 1972 से 2006 तक शासन किया। उन्होंने ऐसे समय में राजगद्दी संभाली जब भूटान एक सीमित संसाधनों वाला, आंतरिक रूप से बंद और बाहरी दुनिया से अपेक्षाकृत दूर देश था। परंतु उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने इस छोटे हिमालयी राष्ट्र को स्थिर, समृद्ध और आत्मनिर्भर लोकतंत्र में बदल दिया।

राजा जिग्मे सिंगये वांगचुक की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्होंने विकास को केवल आर्थिक प्रगति से नहीं जोड़ा, बल्कि उसे मानवीय, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय संतुलन से परिभाषित किया। उन्होंने सकल राष्ट्रीय सुख की अवधारणा दी, जिसने भूटान के शासन, नीति निर्माण और सामाजिक जीवन का मूल दर्शन बनकर कार्य किया। इस विचार में उन्होंने यह स्पष्ट किया कि विकास का मापदंड केवल धन-संपत्ति नहीं, बल्कि लोगों का मानसिक, सामाजिक और पर्यावरणीय संतुलन भी होना चाहिए। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि भूटान के आधुनिकीकरण की गति परंपराओं को निगल न जाए, बल्कि उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़े।

राजा वांगचुक ने भूटान को पूर्ण राजतंत्र से लोकतांत्रिक संवैधानिक शासन में रूपांतरित करने की ऐतिहासिक प्रक्रिया शुरू की। उन्होंने 2001 में भूटान का संविधान तैयार करवाया, जो 2008 में लागू हुआ। यह दुनिया में दुर्लभ उदाहरण है जब किसी राजा ने स्वयं अपने अधिकार सीमित कर लोकतांत्रिक संस्थाओं को शक्ति सौंपी। 2006 में उन्होंने स्वेच्छा से अपने पुत्र जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक के पक्ष में सिंहासन छोड़ दिया, यह दिखाते हुए कि सत्ता का वास्तविक उद्देश्य जन कल्याण है, न कि अधिकारों का संचय। इस परिवर्तन ने भूटान को एक स्थायी लोकतंत्र, पारदर्शी शासन और संस्थागत जवाबदेही की दिशा में अग्रसर किया।

आर्थिक दृष्टि से भी जिग्मे सिंगये वांगचुक का काल भूटान के इतिहास में परिवर्तनकारी रहा। उन्होंने देश के सीमित संसाधनों को सही दिशा में उपयोग कर विकास का आत्मनिर्भर मॉडल तैयार किया। भूटान ने शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क संपर्क जैसी बुनियादी सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार किए। भारतीय सीमा सड़क संगठन के सहयोग से भूटान के दुर्गम इलाकों में सड़कें और पुल बने, जिससे न केवल व्यापार और आवागमन बढ़ा बल्कि सीमाई सुरक्षा भी सुदृढ़ हुई। यह भूटान के ग्रामीण विकास और प्रशासनिक विकेंद्रीकरण की दिशा में एक निर्णायक कदम था।

परंतु K4 का सबसे उल्लेखनीय योगदान रहा भारत-भूटान संबंधों का सुदृढ़ीकरण। उन्होंने यह समझा कि भूटान की भौगोलिक स्थिति- भारत और चीन के बीच एक रणनीतिक संवेदनशीलता का क्षेत्र है। अतः उन्होंने भारत के साथ पारस्परिक विश्वास और सहयोग पर आधारित संबंधों को प्राथमिकता दी। भूटान की विदेश नीति का प्रमुख स्तंभ बना भारत के साथ विश्वास आधारित साझेदारी卐, जो आज भी दक्षिण एशिया में द्विपक्षीय संबंधों का आदर्श उदाहरण मानी जाती है।

इसी साझेदारी का सबसे प्रभावी रूप रहा जलविद्युत कूटनीति । भूटान की प्राकृतिक संपदा में सबसे बड़ा संसाधन उसकी नदियाँ हैं, जिनमें अपार जलविद्युत क्षमता निहित है। राजा वांगचुक ने बहुत पहले यह पहचान लिया था कि यही संसाधन भूटान की आत्मनिर्भरता और भारत-भूटान आर्थिक साझेदारी की रीढ़ बन सकता है। इस सोच के परिणामस्वरूप भारत और भूटान ने मिलकर कई प्रमुख परियोजनाएँ शुरू कीं- चुखा (1988), कुरिचू (2001), ताला (2006)- जो भारत द्वारा वित्त पोषित और तकनीकी रूप से सहयोगित थीं। इन परियोजनाओं से उत्पन्न बिजली भारत को निर्यात की गई और उसी राजस्व से भूटान ने अपने सामाजिक विकास कार्यक्रम चलाए।

इस प्रकार जलविद्युत कूटनीति ने दोनों देशों को आर्थिक रूप से एक-दूसरे से जोड़ दिया। भारत को स्वच्छ ऊर्जा का विश्वसनीय स्रोत मिला और भूटान को स्थायी आय का साधन। यह संबंध केवल आर्थिक नहीं था बल्कि राजनीतिक विश्वास और भौगोलिक स्थिरता का भी प्रतीक था। आज भी भूटान की राष्ट्रीय आय का लगभग 25% हिस्सा जलविद्युत निर्यात से आता है और इसका अधिकांश भारत को जाता है। इस मॉडल ने दिखाया कि क्षेत्रीय साझेदारी केवल व्यापारिक हित नहीं, बल्कि सतत विकास और पर्यावरणीय संतुलन के माध्यम से भी आगे बढ़ सकती है।

जिग्मे सिंगये वांगचुक की नीतियों ने भारत-भूटान सुरक्षा सहयोग को भी नई गहराई दी। भूटान की उत्तरी सीमाएँ चीन से लगती हैं, जहाँ कई बार सीमा विवाद और घुसपैठ की घटनाएँ हुई हैं। K4 ने इस संभावित खतरे को समय रहते भाँप लिया और भारत के साथ सामरिक सहयोग को सुदृढ़ किया।

सुरक्षा क्षेत्र में यह सहयोग केवल सैन्य नहीं बल्कि रणनीतिक भी था। भारत ने भूटान की सेना को प्रशिक्षण, उपकरण और बुनियादी ढाँचा प्रदान किया। सीमा इलाकों में संयुक्त निगरानी और खुफिया साझेदारी ने दोनों देशों को क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने में मदद की। यह सहयोग बाद के वर्षों में डोकलाम (2017) जैसे संकटों में और अधिक महत्वपूर्ण साबित हुआ, जब दोनों देशों ने एक-दूसरे के रणनीतिक हितों की रक्षा में एकजुट होकर कार्य किया।

राजा वांगचुक की दूरदर्शिता ने यह भी सुनिश्चित किया कि भूटान की विदेश नीति संतुलन पर आधारित रहे — जहाँ भारत प्राथमिक साझेदार है, वहीं भूटान ने अपनी सांस्कृतिक और पर्यावरणीय विशिष्टता को भी सुरक्षित रखा। उन्होंने अपने शासनकाल में चीन के साथ संवाद के कुछ सीमित प्रयास किए, परंतु भारत के हितों को कभी भी हानि नहीं पहुँचने दी। यह संतुलन आज भी भूटान की विदेश नीति की पहचान है।

उनकी नीतियों के कारण भारत और भूटान के बीच केवल सरकार-से-सरकार का नहीं, बल्कि जन-से-जन संबंध (People-to-People Relations) का भी विस्तार हुआ। भूटान में भारत शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, जलविद्युत और आईटी जैसे क्षेत्रों में सबसे बड़ा विकास सहयोगी बना। भूटान के युवा भारत में शिक्षा प्राप्त करते हैं, और दोनों देशों के लोगों में सांस्कृतिक निकटता का भाव है।

भूटान के लोकतांत्रिक संक्रमण के बाद भी च4 की भूमिका परामर्शदाता और मार्गदर्शक के रूप में बनी रही। वर्तमान राजा जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक (K5) ने अपने पिता की नीतियों को आगे बढ़ाते हुए भारत के साथ संबंधों को और गहरा किया। 2025 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भूटान के दौरे पर गए, तो उन्होंने K4 के 70वें जन्मदिन समारोह में भाग लिया — यह इस संबंध की गहराई और निरंतरता का प्रतीक है।

आज जब भारत अपने पड़ोसी प्रथम (Neighbourhood First) नीति के तहत क्षेत्रीय साझेदारी को प्राथमिकता दे रहा है, भूटान इसके केंद्र में है। भारत के लिए भूटान न केवल रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह दक्षिण एशिया में उस दुर्लभ पड़ोसी का उदाहरण है जहाँ विश्वास, समानता और आपसी सम्मान के आधार पर संबंध कायम हैं।

भूटान के लिए भी भारत केवल एक आर्थिक भागीदार नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक और सुरक्षा गारंटी का प्रतीक है। जलविद्युत कूटनीति के माध्यम से जहाँ आर्थिक परस्परता मजबूत हुई, वहीं सुरक्षा सहयोग के कारण सीमाई स्थिरता बनी रही। इस संतुलन ने भूटान को एक सॉफ्ट पावर राष्ट्र के रूप में पहचान दी, जिसने विकास और आध्यात्मिकता को जोड़कर दुनिया के सामने एक वैकल्पिक विकास मॉडल प्रस्तुत किया।

राजा जिग्मे सिंगये वांगचुक ने यह सिद्ध किया कि छोटे देश भी यदि दूरदृष्टि, स्थिर नेतृत्व और संतुलित कूटनीति अपनाएँ तो वे न केवल आत्मनिर्भर बन सकते हैं बल्कि अपने बड़े पड़ोसियों के साथ समानता पर आधारित संबंध भी स्थापित कर सकते हैं। भूटान का लोकतांत्रिक और आर्थिक उत्थान इसी नेतृत्व की विरासत है।

अंततः कहा जा सकता है कि च4 ने भारत-भूटान संबंधों को विकास और सुरक्षा साझेदारी में रूपांतरित किया। जहाँ जलविद्युत परियोजनाएँ आर्थिक समृद्धि का आधार बनीं, वहीं रक्षा और सीमाई सहयोग ने राजनीतिक स्थिरता को सुनिश्चित किया। उनका शासन इस बात का प्रमाण है कि आधुनिकता और परंपरा, लोकतंत्र और राजतंत्र, आत्मनिर्भरता और साझेदारी — सभी एक साथ अस्तित्व में रह सकते हैं यदि नेतृत्व में दूरदर्शिता और निस्वार्थता हो।

आज भूटान दुनिया का एकमात्र卐 ार्बन-ऋणात्मक देश है, जहाँ विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बना हुआ है। यह उस सोच का परिणाम है जो च4 ने दशकों पहले बोई थी। उन्होंने न केवल भूटान की भौगोलिक सीमाओं को सुरक्षित किया, बल्कि उसकी आत्मा को भी संरक्षित रखा। भारत-भूटान संबंधों की यह जीवंत परंपरा, उनकी दी हुई विरासत है- विश्वास, सहयोग और साझा समृद्धि की अमिट कहानी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत की बिली जीन किंग कप स्टार खिलाड़ियों ने कर्नाटक के युवा टेनिस खिलाड़ियों को दिया सफलता का मंत्र

एजेंसी

बेंगलुरु। भारत की शीर्ष महिला टेनिस खिलाड़ियों ने आगामी बिली जीन किंग कप 2025 प्ले-ऑफ्स से पहले कर्नाटक के युवा खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें प्रेरित किया। यह विशेष इंटरएक्शन सत्र एस.एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम, बेंगलुरु में आयोजित हुआ, जहां भारत की महिला टेनिस टीम ने न केवल अपने अनुभव साझा किए बल्कि उभरती प्रतिभाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन और निरंतरता के मूल्य भी सिखाए। इस सत्र में सहजा यमलापल्ली, श्रिवल्ली भामिदिपत्य, अंकिता रैना, रिया भाटिया और प्रार्थना थोंबरे शामिल रहीं। इन खिलाड़ियों ने कोर्ट पर और उसके बाहर अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि सफलता केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि दृढ़ निश्चय और दोहराव से मिलती है। प्रार्थना थोंबरे ने कहा, 'दबाव की स्थिति में कुछ नया करने की जरूरत नहीं होती। वही भरोसा करना चाहिए जो आप सैकड़ों बार अभ्यास में कर चुके हैं। जब आप एक ही चीज़ को बार-बार दोहराते हैं, तो वह आपके स्वभाव का हिस्सा बन जाती है। ' अंकिता रैना ने अनुशासन के महत्व पर जोर देते हुए कहा, 'ध्यान या किसी एक दिन की तैयारी से बात नहीं बनती। यह एक प्रणाली बनाने, हर दिन एक जैसी मेहनत करने और उस पर टिके रहने का नाम है। यही अनुशासन आपको दबाव के समय स्थिर रखता है।

तीन घंटे में तिहरा शतक, आठ गेंदों में 8 छक्के, 11 गेंदों में अर्धशतक, 1009 रन की लीड, 250 साल पुराने रिकॉर्ड टूटे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के प्रथम श्रेणी इतिहास में रविवार का दिन स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया, जब मेघालय के बल्लेबाज आकाश कुमार चौधरी ने रणजी ट्रॉफी 2025 में ऐसा कमाल किया जो पिछले 250 वर्षों में किसी खिलाड़ी ने नहीं किया था। अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ मैच में उन्होंने लगातार आठ छक्के जड़ते हुए सिर्फ 11 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने गैरी सोबर्स, माइक प्रॉक्टर, और रवि शास्त्री जैसे दिग्गजों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, और क्रिकेट जगत को रोमांच और गर्व से भर दिया। सूरत के सी.के. पीठावाला मैदान में खेले गए रणजी ट्रॉफी मुकाबले में मेघालय के आठवें नंबर के बल्लेबाज आकाश कुमार चौधरी ने इतिहास रच दिया। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के गेंदबाज लिमर डाबी और टी.एन.आर. मोहित की गेंदों पर लगातार आठ छक्के लगाकर एक ऐसा विश्व रिकॉर्ड बनाया जो इससे पहले कभी नहीं हुआ था। सिर्फ यही नहीं, उन्होंने 11 गेंदों में अर्धशतक पूरा करते हुए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सबसे तेज़ 50 रन बनाने का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। उनकी इस आक्रामक बल्लेबाज़ी ने न केवल मैच का रुख बदल दिया, बल्कि रणजी ट्रॉफी को चर्चा के केंद्र में ला दिया।

सानिया मिर्जा का खुलासा, तलाक के बाद गहरे डिप्रेशन में चली गई थी, पैनिक अटैक भी आए

नई दिल्ली। भारत की स्टार टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने पहली बार अपने जीवन के सबसे कठिन दौर के बारे में खुलासा किया है। शोएब मलिक से तलाक के बाद सानिया गहरे डिप्रेशन और पैनिक अटैक से जूझ रही थीं। इस मुश्किल समय में बॉलीवुड डायरेक्टर और कोरियोग्राफर फराह खान ने उनकी भावनात्मक रूप से मदद की और उन्हें फिर से खड़ा होने की ताकत दी। अपने नए यूट्यूब शो 'सर्विंग इट अप विद सानिया' के पहले एपिसोड में सानिया ने बताया कि कैसे फराह ने उन्हें जीवन के सबसे नाजुक पलों से उबरने में साथ दिया। सानिया मिर्जा ने साल 2010 में पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक से शादी की थी। इस रिश्ते ने शुरुआत से ही दोनों देशों में खूब सुर्खियां बटोरीं। 2018 में दोनों एक बेटे के माता-पिता बने, लेकिन साल 2024 में शोएब मलिक ने पाकिस्तानी अभिनेत्री सना जावेद से शादी कर ली, जिससे यह रिश्ता हमेशा के लिए खत्म हो गया। इस टूटे रिश्ते का असर सानिया पर गहराई से पड़ा। उन्होंने बताया कि तलाक के बाद उन्हें पैनिक अटैक आने लगे और वे लंबे समय तक डिप्रेशन में रहीं। उस दौर को सानिया ने अपनी जिंदगी का 'सबसे बुरा समय' बताया।

ग्रीम स्मिथ की दक्षिण अफ्रीका को सलाह, भारत के खिलाफ कोलकाता टेस्ट से पहले दी चेतावनी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज़ से पहले अपनी टीम को चेतावनी देते हुए कहा कि उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में अगर कोई टीम शुरुआत में पिछड़ जाती है, तो वापसी बेहद कठिन होती है। उन्होंने कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले जाने वाले पहले टेस्ट को अहम बताते हुए कहा कि बल्लेबाजों को मजबूत नींव रखनी होगी और स्पिनरों के खिलाफ समझदारी से खेलना होगा। स्मिथ ने यह भी जोड़ा कि दक्षिण अफ्रीका के पास केशव महाराज और साइमन हार्मर जैसे अनुभवी स्पिन विकल्प मौजूद हैं जो भारत में बड़ा खतरा बन सकते हैं। ग्रीम स्मिथ ने उम्मीद जताई कि ईडन गार्डन्स की पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल होगी, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने आगाह किया कि भारत जैसी टीम के खिलाफ शुरुआती बढ़त हासिल करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि कोलकाता की पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी होगी और रन बनाने के मौके मिलेंगे। लेकिन अगर आप भारत जैसी टीम के खिलाफ शुरुआती बढ़त खो देते हैं, तो मैच में वापसी करना बहुत मुश्किल होता है।'

इस्लामाबाद धमाके के बाद सुरक्षा चिंताओं के बावजूद श्रीलंका की टीम पाकिस्तान दौरे पर बनी रहेगी

एजेंसी

इस्लामाबाद। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा चिंताओं के बावजूद पाकिस्तान के व्हाइट-बॉल दौरे को जारी रखने का निर्णय लिया है। कई खिलाड़ियों ने इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती हमले के बाद स्वदेश लौटने की इच्छा जताई थी। इस्लामाबाद की एक अदालत के बाहर आत्मघाती विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई थी। यह घटना पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच रावलपिंडी में खेले जाने वाले वनडे मैच से कुछ घंटे पहले हुई थी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन और देश के गृहमंत्री मोहसिन नक़वी ने इस्लामाबाद में श्रीलंका के उच्चायुक्त से मुलाकात की और टीम को कड़ी सुरक्षा का आश्वासन दिया। इस बैठक में श्रीलंका और पाकिस्तान टीम के मैनेजरों के साथ शीर्ष सुरक्षा

अधिकारी भी मौजूद थे।

नक़वी ने दोपहर पिंडी क्रिकेट स्टेडियम का दौरा किया और सुरक्षा इंतज़ामों की समीक्षा की। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने जारी बयान में कहा कि खिलाड़ियों की सुरक्षा चिंताओं को 'पीसीबी और संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर पूरी तरह संबोधित किया जा रहा है ताकि दौरे पर मौजूद प्रत्येक सदस्य की सुरक्षा और कुशलता सुनिश्चित की जा सके। 'बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई खिलाड़ी या सपोर्ट स्टाफ सदस्य बोर्ड के निर्देशों के बावजूद स्वदेश लौटता है, तो 'उनके आचरण की औपचारिक समीक्षा की जाएगी और समीक्षा पूरी होने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। ' एसएलसी ने यह भी कहा कि टीम के किसी सदस्य के लौटने की स्थिति में उसके स्थान पर तुरंत रिप्लेसमेंट भेजे जाएंगे ताकि दौरे में कोई व्यवधान न आए। पीसीबी प्रमुख मोहसिन नक़वी ने श्रीलंका बोर्ड के इस निर्णय की सराहना की। उन्होंने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, 'खेल भावना और एकजुटता की भावना उज्ज्वल रूप में झलक रही है। ' उन्होंने बताया कि शेष दो वनडे मैच अब रावलपिंडी में शुक्रवार और रविवार को खेले जाएंगे। इसके बाद जिम्बाब्वे टीम श्रीलंका और पाकिस्तान के साथ टी20 त्रिकोणीय सीरीज़ में शामिल होगी, जिसकी शुरुआत अगले सप्ताह से होगी। इस टूर्नामेंट के दो मुकाबले रावलपिंडी में और पाँच मुकाबले लाहौर में खेले जाएंगे।

एशियाई तीरंदाजी चैम्पियनशिपः भारत की कंपाउंड महिला और मिश्रित टीमों ने जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी

नई दिल्ली। ढाका में चल रही एशियाई तीरंदाजी चैम्पियनशिप में भारत ने कंपाउंड वर्ग में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए महिला टीम और मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि पुरुष टीम को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। महिला कंपाउंड टीम के फाइनल में दीपशिखा, प्रिथिका प्रदीप और ज्योति सुरेखा वेन्नम की भारतीय तिकड़ी ने दक्षिण कोरिया को कड़े मुकाबले में 236-234 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पुरुष कंपाउंड टीम स्पर्धा में अभिषेक वर्मा, साहिल जाधव और प्रतमेश फुगे की भारतीय टीम को कजाखस्तान के खिलाफ 229-230 से मामूली अंतर से हार झेलनी पड़ी और रजत पदक हासिल हुआ। यह मुकाबला पूरी तरह से रोमांचक रहा, लेकिन निर्णायक क्षणों में कजाख खिलाड़ियों ने बढ़त बना ली। मिश्रित टीम फाइनल में अभिषेक वर्मा और दीपशिखा की भारतीय जोड़ी ने बांग्लादेश के हिमु बाचार और बोन्ना आक्तर को 153-151 से पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। ढाका में जारी इस प्रतियोगिता में भारत का यह प्रदर्शन एशियाई स्तर पर तीरंदाजी में उसकी मजबूत स्थिति को और भी पुख्ता करता है।

डोपिंग के लिए भारतीय एथलीट कार्तिक कुमार पर लगा तीन साल का प्रतिबंध

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स खिलाड़ी कार्तिक कुमार को डोपिंग उल्लंघन के मामले में तीन साल के लिए प्रतिबंधित किया गया है। उन्होंने कई प्रतिबंधित एनाबॉलिक एजेंट्स के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद यह सजा स्वीकार कर ली है। यह जानकारी यूएसएडीए (अमेरिकी एंटी-डोपिंग एजेंसी) ने गुरुवार को दी। यूएसएडीए के अनुसार, एक सूचना पर कार्रवाई करते हुए एजेंसी ने 27 फरवरी को अमेरिका में प्रशिक्षण के दौरान कार्तिक कुमार का प्रतियोगिता से बाहर (आउट-ऑफ-कम्पटीशन) यूरिन सैंपल लिया था। इस सैंपल में मेटेंडाइनोन और स्टैनोजोलोल सहित कई प्रतिबंधित पदार्थों के मेटाबोलाइट्स पाए गए। इनमें शामिल हैं –

17ए-मेथिल-एसबी-एंड्रोस्टेन-3ए,17बी-डायोल,

17बी-मेथिल-एसबी-एंड्रोस्ट-1-ईन-3ए,17ए-डायोल (एपिमीटेंडियोल),

17बी-हाइड्रॉक्सिमेथिल-17ए-

मेथिल-18-नॉर-एंड्रोस्ट-1,4,13-ट्रायन-3-वन (एलटीएम),

तथा 4-क्लोरो-3ए-हाइड्रॉक्सी-एंड्रोस्ट-4-एन-17-वन (क्लोस्टेबोल मेटाबोलाइट)।

यूएसएडीए ने इसके बाद 19 मार्च को एक और सैंपल लिया, जो फिर से मेटेंडाइनोन मेटाबोलाइट्स के लिए पॉजिटिव पाया गया। हालांकि, नियमों के अनुसार दोनों नमूनों को एक ही उल्लंघन माना गया क्योंकि पहले पॉजिटिव रिपोर्ट की जानकारी कार्तिक को दूसरे सैंपल से पहले नहीं दी गई थी। डोपिंग उल्लंघन के लिए आमतौर पर चार साल का प्रतिबंध लगाया जाता है, लेकिन यदि खिलाड़ी सूचना मिलने के 20 दिनों के भीतर आरोप स्वीकार कर लेता है, तो सजा एक साल घटाई जा सकती है।

जापान मास्टर्सः लक्ष्य सेन क्वार्टरफाइनल में, जिया हेंग जैसन टेह को सीधे गेम में हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन ने गुरुवार को कुमामोटो मास्टर्स जापान के पुरुष एकल वर्ग के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। उन्होंने सिंगापुर के जिया हेंग जैसन टेह को सीधे गेमों में हराया। 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता और टूर्नामेंट के सातवें वरीय लक्ष्य ने विश्व नंबर 20 टेह को 21-13, 21-11 से सिर्फ 39 मिनट में पराजित किया। इस जीत के साथ विश्व नंबर 15 लक्ष्य सेन अब सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लो कीन यू का सामना क्वार्टरफाइनल में करेंगे।

पहले गेम में लक्ष्य ने शुरुआत से बढ़त बनाई और 8-5 से आगे रहे, हालांकि टेह ने 10-9 पर बढ़त हासिल की थी। लेकिन लक्ष्य ने ब्रेक तक बढ़त बरकरार रखी और 14-13 के स्कोर के बाद लगातार सात अंक जीतते हुए पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में लक्ष्य ने और भी दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 5-0 की बढ़त से शुरुआत की और ब्रेक तक 11-3 से आगे रहे। इसके बाद उन्होंने पूरी बढ़त बनाए रखी और मुकाबला आसानी से जीत लिया।

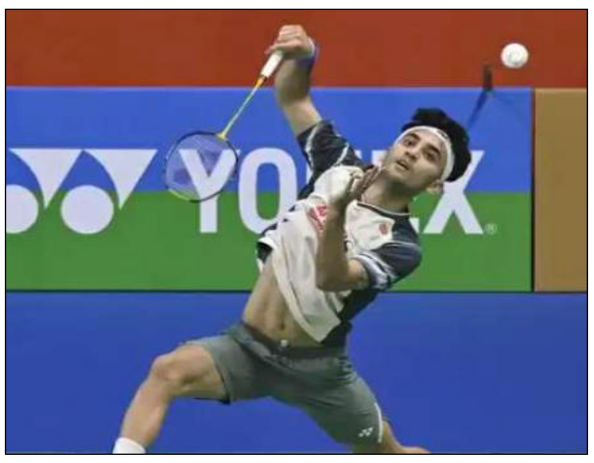

दिन के बाद के मैच में एच. एस. प्रणय का सामना डेनमार्क के रासमस गेमके से होगा।

शतरंज विश्व कप 2025: अर्जुन, प्रज्ञानानंदा और हरिकृष्णा के मुकाबले ड्रॉ; प्रणव और कार्तिक का सफर थमा

एजेंसी

गोवा। शतरंज की दुनिया में भारतीय खिलाड़ियों के लगातार शानदार प्रदर्शन की आदत सी हो गई है, लेकिन विश्व कप के चौथे राउंड में कुछ अलग नजारा देखने को मिला – किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने जीत हासिल नहीं की। दो भारतीय खिलाड़ियों वी. प्रणव और कार्तिक वेंकटरमन को हार का सामना करना पड़ा और वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

हालांकि, दोनों युवा खिलाड़ियों ने उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया। प्रणव, जो 60वीं वरीयता से शुरुआत कर रहे थे, को उज्बेकिस्तान के नोदिर्बेक याकूबोएव ने हराया, जबकि कार्तिक वेंकटरमन, जो 109वीं वरीयता के साथ उतरे थे, को वियतनाम के ले क्वांग लियेम ने मात दी। दोनों भारतीय खिलाड़ी 'राउंड ऑफ 32' तक पहुंचने में सफल रहे, जो अपने आप में एक सराहनीय उपलब्धि है। अब भारत की उम्मीदें तीन दिग्गज खिलाड़ियों – अर्जुन

एरिगैसी, आर. प्रज्ञानानंदा और पी. हरिकृष्णा – पर टिकी हैं, जिन्हें अगले दौर में पहुंचने के लिए गुरुवार को होने वाले टाई-ब्रेकर्स जीतने होंगे। अर्जुन एरिगैसी, जो टूर्नामेंट की दूसरे नंबर की वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं, ने हंगरी के पीटर लेको के खिलाफ ड्रॉ खेला। वहीं, तीसरी वरीयता प्राप्त आर. प्रज्ञानानंदा का मुकाबला रूस के दानिल डुबोव से बराबरी पर छूटा। पी. हरिकृष्णा ने भी स्वीडन के निल्स ग्रांडेलियस के साथ ड्रॉ खेलते हुए अंक साझा किए।कुल 16 बोर्डों पर खेले गए मैचों में सिर्फ तीन निर्णायक परिणाम आए। इनमें जर्मनी के अलेक्ज़ेंडर डॉन्शेंको ने अपने हमवतन मैथियास ब्लूबाउम को हराया। इसके अलावा ले क्वांग लियेम और नोदिर्बेक याकूबोएव ने भी जीत दर्ज कर सीधे पांचवें राउंड में प्रवेश किया। पूर्व विश्व चैंपियन लेवोन अरोनियन (आर्मेनिया) और शानदार फॉर्म में चल रहे जोसे मार्टिनेज़ अलकांतारा (मेक्सिको) भी अंतिम 16 में जगह बनाने में सफल रहे। मंगलवार को जीत दर्ज करने के बाद उन्हें दूसरे गेम में सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी।

अपने 35 चालों के ड्रॉ के बाद अरोनियन ने मजाकिया अंदाज़ में कहा, 'मेरा लक्ष्य सिर्फ ड्रॉ हासिल करना था, यह कुछ ऐसा था जैसे एनबीए में टाइम पास करते हुए मैच खत्म करना। ' वहीं, अलकांतारा ने कहा, 'मैं अपने समर्थकों का धन्यवाद करना चाहता हूं मैक्सिको और पेरू से जिनके लिए मैंने पहले खेला था। '

नितीश रेड्डी टेस्ट टीम से रिलीज, साउथ अफ्रीका 'ए' वनडे सीरीज में लेंगे हिस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने घोषणा की कि भारत के सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है ताकि वे साउथ अफ्रीका 'ए' के खिलाफ राजकोट में गुरुवार से शुरू होने वाली वनडे सीरीज में हिस्सा ले सकें। भारत के सहायक कोच रायन टेन डोशाटे ने पुष्टि की कि शानदार फॉर्म में चल रहे ध्रुव जुरेल अब नितीश की जगह टेस्ट टीम के प्लेइंग इलेवन में बतौर स्पेशलिस्ट बल्लेबाज शामिल हो सकते हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत भी अपनी पैर की चोट से उबरकर टीम में वापसी कर चुके हैं। इंग्लैंड सीरीज के दौरान उन्हें चोट लगी थी। पंत और जुरेल दोनों को शुरुआती टेस्ट की संभावित प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया है। दिन में पहले, नेट्स सत्र के दौरान नितीश को जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ गेंदबाजी करते देखा गया था। वेस्टइंडीज दौरे में नितीश का प्रदर्शन औसत रहा था। उन्होंने पहले टेस्ट में सिर्फ चार ओवर फेंके और कोई विकेट नहीं लिया, जबकि बल्लेबाजी में एक पारी में 43 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया में हुई वनडे सीरीज में उन्होंने क्रमशः 19 नाबाद और 8 रन बनाए थे। बेंगलुरु में खेली गई दो मैचों की अनौपचारिक 'ए' टेस्ट सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही थी। अब दक्षिण अफ्रीका 'ए' टीम तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए राजकोट पहुंची है।

भारत-ए अंडर-19 और भारत-बी अंडर-19 टीमों की घोषणा, अफगानिस्तान के साथ खेली जाएगी त्रिकोणीय सीरीज़

एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की जूनियर चयन समिति ने आगामी आईडीएफसी फर्स्ट बैंक अंडर-19 त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारत ए अंडर-19 और भारत बी अंडर-19 टीमों की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 17 नवंबर से 30 नवंबर तक बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बेंगलुरु में खेला जाएगा, जिसमें तीसरी टीम अफगानिस्तान अंडर-19 होगी।

भारत ए अंडर-19 टीम की कप्तानी विहान मल्होत्रा (पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन) करेंगे, जबकि अभिज्ञान कुंडू (महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन) उप-कप्तान और विकेटकीपर होंगे। टीम में वाफी कच्छी, वंश आचार्य, विनीत वी.के., लक्ष्या रायचंदानी, और मोहम्मद एना जैसे उभरते युवा खिलाड़ी शामिल हैं।

भारत बी अंडर-19 टीम की कमान एरन जॉर्ज (हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन) के हाथों में सौंपी गई है, जबकि वेदांत त्रिवेदी (गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन) उप-कप्तान होंगे। टीम में अन्वय द्रविड़ (कर्नाटक), युवराज गोहिल, राहुल कुमार और रोहित कुमार दास जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। बीसीसीआई ने बताया कि आयुष म्हात्रे का चयन इस सीरीज के लिए नहीं किया गया है क्योंकि वे वर्तमान में रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं। वहीं वैभव सूर्यवंशी को चयन से इसलिए बाहर रखा गया क्योंकि उन्हें एसीसी राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया है। यह त्रिकोणीय श्रृंखला युवा खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का अहम अवसर होगी, जो अगले साल होने वाले अंडर-19 विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

भारत अंडर 19 ए टीमः

विहान मल्होत्रा (कैप्टन), अभिज्ञान कुंडू (उपकप्तान), वाफी कच्छी, वंश आचार्य, विनीत वी.के., लक्ष्य रायचंदानी, ए. रापोल (विकेटकीपर), कनिष्क चौहान, खिलान ए पटेल, अनमोलजीत सिंह, मोहम्मद एनान, हेनिल पटेल, आशुतोष महिदा, आदित्य रावत, मोहम्मद मलिक।

भारत 19 क्रटीमः

एरोन जॉर्ज (कैप्टन), वेदांत त्रिवेदी, युवराज गोहिल, मौल्यराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, हरवंश सिंह, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), आर.एस. अंबरीश, बी.के. किशोर, नमन पुष्पक, हेमचुदेशन जे., उधव मोहन, ईशान सूद, डी दीपेश, रोहित कुमार दास।

अजिंक्य नाईक दूसरी बार बने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष

एजेंसी

मुंबई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के चुनाव में अजिंक्य नाईक पैनल ने शानदार जीत दर्ज की है। नाईक दूसरी बार लगातार निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए हैं। उनकी पैनल ने कुल 16 पदों में से 12 पर कब्जा जमाया। बुधवार रात परिणाम घोषित होने के बाद नाईक ने कहा, 'यह जीत हमारे मैदान क्लबों, सचिवों और हर क्रिकेटर – पुरुष और महिला – की है। यह पूरी मुंबई क्रिकेट फैमिली की जीत है। ' अजिंक्य नाईक को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और एमसीए, बीसीसीआई व आईसीसी के पूर्व अध्यक्ष शरद पवार का समर्थन प्राप्त था। उन्होंने कहा, 'माननीय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जी और शरद पवार जी के मजबूत सहयोग से यह सफलता संभव हो सकी। मैं अशिष शेलार जी का भी विशेष आभार व्यक्त करता हूं।'

नीलेश भोसले संयुक्त सचिव चुने गए (उन्होंने गौरव पय्याडे को मात दी)

अरमान मलिक कोषाध्यक्ष बने

नाईक का पैनल 'पवार-शेलार ग्रुप' के नाम से चुनाव में उतरा था।

चुनाव में अन्य पदाधिकारी इस प्रकार हैं – उन्मेष खनविलकर सचिव चुने गए (उन्होंने शाहालम शेख को हराया)

जीतेंद्र आव्हाड उपाध्यक्ष बने (उन्होंने नवीन शेट्टी को हराया)

(उन्होंने सुरेंद्र शेवाले को पराजित किया)

इसके अलावा संदीप विचारे, सूरज सामत, विघ्नेश कदम, मिलिंद नारवणकर, भूषण पाटिल, नदीम मेमन, विकास रेपाले, प्रमोद यादव और नील सावंत एमसीए की एपेक्स काउंसिल के सदस्य चुने गए हैं।

पहले टेस्ट में भारत के सामने दक्षिण अफ्रीका के स्पिन आक्रमण की चुनौती

एजेंसी

कोलकाता : दक्षिण अफ्रीका के बेहतरीन स्पिन आक्रमण के सामने भारत के सितारा बल्लेबाजों के कौशल की असली परीक्षा होगी जब दोनों टीमें दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट में यहां आमने सामने होंगी। भारत को पिछले साल न्यूजीलैंड ने भारत में ही 3-0 से हराया था और कीवी स्पिनरों ऐजाज पटेल, मिचेल सेंटनेर और ग्लेन फिलिप्स ने मिलकर तीन टेस्ट में 36 विकेट चटकाए थे। दक्षिण अफ्रीका का गेंदबाजी आक्रमण इस समय स्पिनरों पर निर्भर है और ऐसे में मेजबान टीम को धीमे गेंदबाजों के खिलाफ अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। मौजूदा विश्व टेस्ट चैम्पियन दक्षिण अफ्रीका आम तौर पर अच्छे तेज गेंदबाजों के लिए जानी जाती रही है लेकिन इस समय उसके पास धुरंधर स्पिनर हैं। पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही में उसने श्रृंखला 1-1 से ड्रॉ खेली। इसमें केशव महाराज, साइमन हार्मर और सेनुरान मुथुस्वामी ने 39 में से 35 विकेट लिए। भारत के सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी आक्रमण को 'उपमहाद्वीप की शैली' वाला बताया। उन्होंने कहा, 'उनके पास चार स्पिनर हैं जिनमे से वे तीन को उतार सकते हैं। ऐसा लग रहा है कि हम उपमहाद्वीप की किसी टीम के खिलाफ खेलने वाले हैं।' उन्होंने कहा, 'हमने इस पर बात की है। हमने न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला से सबक लिया है।'

बांग्लादेश प्रीमियर लीग में 12 साल बाद फिर से होगा खिलाड़ियों का ऑक्शन

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) में 12 साल बाद खिलाड़ियों की नीलामी प्रणाली वापस लौट रही है। बीपीएल गवर्निंग काउंसिल ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। टूर्नामेंट के पहले दो सीज़न (2012 और 2013) में खिलाड़ियों की नीलामी हुई थी, जिसके बाद अगले नौ संस्करणों में खिलाड़ियों का चयन ड्राफ्ट प्रणाली के ज़रिए किया जाता रहा। नीलामी 23 नवंबर को ढाका के एक होटल में आयोजित की जाएगी, जिसमें पांच फ्रेंचाइजी – ढाका कैपिटल्स, चट्टोग्राम रॉयल्स, राजशाही वॉरियर्स, रंगपुर राइडर्स और सिलहट टाइटन्स – हिस्सा लेंगी। ये टीमें बीपीएल के 12वें संस्करण के लिए अपने खिलाड़ी चुनेंगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने बयान जारी कर कहा, 'इस बार की नीलामी एक नए फ्रेंचाइजी स्वामित्व चक्र की शुरुआत करेगी। इसमें एक पुनर्गठित और पारदर्शी बोली प्रणाली लागू की जाएगी ताकि बीपीएल अंतरराष्ट्रीय टी20 फ्रेंचाइजी मानकों के अनुरूप हो सके। 'नई प्रणाली के तहत स्थानीय खिलाड़ियों को छह श्रेणियों और विदेशी खिलाड़ियों को पांच श्रेणियों में बांटा जाएगा। स्थानीय खिलाड़ियों की शीर्ष 'ए' श्रेणी का आधार मूल्य 50 लाख टका तय किया गया

है, और हर बोली 5 लाख टका की वृद्धि में बढ़ेगी। विदेशी खिलाड़ियों की शीर्ष श्रेणी की शुरुआती कीमत 35,000 अमेरिकी डॉलर होगी, जिसमें हर बोली 5,000 डॉलर की वृद्धि में बढ़ेगी।

हर फ्रेंचाइजी को नीलामी से पहले दो बांग्लादेशी खिलाड़ी (ए और बी श्रेणी से) और एक या दो विदेशी खिलाड़ी सीधे साइन करने की अनुमति होगी, लेकिन इसके लिए बीपीएल गवर्निंग काउंसिल की मंजूरी जरूरी होगी। नीलामी दो चरणों में होगी – पहले स्थानीय खिलाड़ियों की, उसके बाद विदेशी खिलाड़ियों की। प्रत्येक टीम को कम से कम 11 स्थानीय खिलाड़ी खरीदने होंगे, जबकि अधिकतम 15 स्थानीय खिलाड़ी टीम में शामिल किए जा सकते हैं।

सीधे साइन किए गए खिलाड़ी इस गणना में शामिल नहीं होंगे। स्थानीय खिलाड़ियों के लिए प्रत्येक टीम का बजट 4.5 करोड़ टका होगा (सीधे साइन किए खिलाड़ियों के भुगतान को छोड़कर)। विदेशी खिलाड़ियों के लिए अधिकतम बजट 3.5 लाख अमेरिकी डॉलर तय किया गया है, जिसमें डायरेक्ट साइनिंग भी शामिल हैं। हर टीम दो से चार विदेशी खिलाड़ियों को अपने प्लेइंग इलेवन में शामिल कर सकेगी, लेकिन नीलामी से कम से कम दो विदेशी खिलाड़ियों को खरीदना अनिवार्य होगा।

खिलाड़ियों को भुगतान तीन किस्तों में किया जाएगा —

25फीसदी साइनिंग के समय, 55फीसदी टीम के अंतिम लीग मैच से पहले, और शेष 20फीसदी टूर्नामेंट समाप्त होने के 30 दिनों के भीतर।

सभी भुगतान राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड के कर नियमों के अनुसार होंगे।

नीलामी समाप्त होने के 24 घंटे के भीतर सभी टीमों को अपने अंतिम स्क्वॉड की सूची बीपीएल गवर्निंग काउंसिल को सौंपनी होगी। सभी अनुबंध बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के मानक त्रिपक्षीय अनुबंध प्रारूप में होंगे।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद, सेंसेक्स में 595 अंकों की उछाल

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में लगातार तीसरे कारोबारी दिन तेजी जारी रही। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 595.19 यानी 0.71 फीसदी की उछाल के साथ 84,466.51 पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 180.85 अंक यानी 0.70 फीसदी की बढ़त के साथ 25,875.80 स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अडाणी पोर्ट्स, टाइटन, इटर्नल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इन्फोसिस, बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, भारती एयरटेल, सन फार्मास्युटिकल्स, बजाज फाइनेंस, पावरग्रिड, भारतीय स्टेट बैंक और एशियन पेंट्स के शेयर फायदे में रहे हैं। वहीं, आज सूचीबद्ध हुई टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स, टाटा स्टील, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में तेजी के बीच विभिन्न क्षेत्रों के निवेशकों की ओर से की गई खरीदारी से बुधवार दोपहर के कारोबार में सेंसेक्स में 770 अंक से अधिक की तेजी आई, जबकि निफ्टी 25,900 अंक के पार पहुंच गया। इसके अलावा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आशावाद और लंबे समय से जारी अमेरिकी सरकार के 'शटडाउन' को समाप्त करने की दिशा में प्रगति ने निवेशकों की धारणा को मजबूत किया।उल्लेखनीय है कि शेयर बाजार एक दिन पहले मंगलवार को हरे निशान पर बंद हुआ।

दुनिया में पहली बार आरडीएच तकनीक से सीमेंट डीकार्बोनाइजेशन करेगा अडानी समूह

अहमदाबाद। अडानी समूह आंध्र प्रदेश स्थित अपने बोयारेड्डीपल्ली इंटीग्रेटेड सीमेंट प्लांट में सीमेंट डीकार्बोनाइजेशन के लिए कूलब्रुक की रोटोडायनामिक हीटर (आरडीएच) तकनीक का इस्तेमाल करेगा। कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कूलब्रुक की आरडीएच तकनीक का पहली बार औद्योगिक पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। अडानी सीमेंट ने साल 2050 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है जबकि कूलब्रुक ने वैश्विक स्तर पर भारी उद्योग क्षेत्रों में 2.4 अरब टन वार्षिक सीओ2 कटौती का लक्ष्य निर्धारित किया है। आरडीएच तकनीक सीमेंट उत्पादन में सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन वाले कैल्सीनेशन के चरण को कार्बन मुक्त करेगी। इससे सालाना लगभग 60,000 टन कार्बन उत्सर्जन में सीधे तौर पर कमी आने की उम्मीद है, और आने वाले समय में इसमें 10 गुना वृद्धि की संभावना है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि आरडीएच प्रणाली पूरी तरह से अडानी सीमेंट के बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो से संचालित होगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि उत्पन्न औद्योगिक ऊष्मा पूरी तरह से उत्सर्जन मुक्त हो।

स्पाइसजेट के बेड़े में शामिल हुए पांच और बोइंग 737 विमान

नई दिल्ली। किफायती विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट के बेड़े में पांच और बोइंग 737 विमान शामिल हो गये हैं। एयरलाइंस ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इन पांच विमानों में एक बोइंग 737 मैक्स विमान भी है। इसके साथ ही अब उसके बेड़े में विमानों की संख्या बढ़कर 35 हो गयी है। कंपनी ने पिछले एक महीने से कुछ ज्यादा समय में अपने बेड़े 15 विमान बढ़ाये हैं। इनमें से 14 उसने डैम्प लीज पर लिए हैं, जिनमें दो 737 मैक्स विमान भी हैं। इसके अलावा ग्राउंडेड विमानों में से एक को ठीक कर फिर से बेड़े में शामिल किया गया है। कंपनी ने बताया कि 30 सितंबर को वह रोजाना 100 उड़ानों का परिचालन कर रही थी जबकि इन नये विमानों के आने से अब वह हर दिन 176 उड़ानों का परिचालन कर रही है। स्पाइसजेट के मुख्य व्यवसाय अधिकारी देबोजो महर्षि ने कहा, 'स्पाइसजेट का मौजूदा विस्तार बाजार में मजबूत मांग और इसे पूरा करने की हमारी तत्परता को दिखाता है। हम न सिर्फ अपनी पहुंच बढ़ा रहे हैं बल्कि लाखों यात्रियों के लिए विश्वसनीय, किफायती और सुविधाजनक हवाई यात्रा की हमारी प्रतिबद्धता को भी दोहरा रहे हैं।

पावरग्रिड नागपुर में क्षेत्रीय सांस्कृतिक महोत्सव और हस्तकला प्रदर्शनी का आयोजन

नागपुर। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, पश्चिमी क्षेत्र - 1 द्वारा क्षेत्रीय सांस्कृतिक महोत्सव और हस्तकला प्रदर्शनी 2025 का आयोजन क्षेत्रीय मुख्यालय नागपुर स्थित सप्तरंग हॉल में किया गया, जिसमें कर्मचारियों और उनके परिवारजनो ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसे क्षेत्र प्रमुख विभय कुमार, कार्यपालक निदेशक (पश्चिमी क्षेत्र -1) ने श्रीमती सारिका राय, संरक्षिका, महिला समिति, पश्चिमी क्षेत्र -1, के.बी. सुब्रमणियन, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना), अरविंद कुमार पांडे, मुख्य महाप्रबंधक (कुरुक्षेत्र एवं चांपा एचवीडीसी), रजनीश तिवारी, मुख्य महाप्रबंधक (सम्पदा प्रबंधन), बिनोद कुमार, मुख्य महाप्रबंधक, (नागपुर एचवीडीसी) तथा कार्यक्रम के विशिष्ट निर्णायकगणों के साथ संपन्न किया। संस्कृतिक महोत्सव में नृत्य, हस्तकला, शिल्प एवं ललित कला पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिसमें संगठन के कर्मचारियों और उनके परिवारों की रचनात्मक प्रतिभा परिलक्षित हुई। नृत्य नाट्य प्रतियोगिता में टीम दुर्ग (मेडेसरा) ने अपनी प्रस्तुति जिंदगी जो कभी नहीं हारती के द्वारा जिजीविषा की अदम्य भावना को दर्शाते हुए, भय को साहस में बदलने और हर विपरीत परिस्थिति पर विजय पाने का संदेश देते हुए प्रथम पुरस्कार जीता।

खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए केंद्र की बड़ी कार्रवाई, देशभर में अबतक 3.17 लाख छापेमारी

3,645 लाइसेंस रद्द और 418 एफआईआर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने खरीफ और चल रहे रबी सीजन के दौरान किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने तथा काला बाजार, जमाखोरी और डाइवर्जन पर रोक लगाने के लिए देशभर में अबतक तीन लाख से अधिक छापेमारी की गई, हजारों लाइसेंस रद्द किए गए और सैकड़ों प्राथमिकी दर्ज हुईं। खाद्य एवं उर्वरक विभाग ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सहयोग से गए इस अभियान से पहले दोनों विभागों के सचिवों ने राज्यों के साथ कई संयुक्त बैठकें कीं, जिसके बाद जिला स्तर पर बड़े पैमाने पर छापेमारी और कानूनी कार्रवाई शुरू की गई।सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अब तक कुल 3,17,054 निरीक्षण और छापेमार कार्यवाइयां की गईं। इनमें 5,119 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए,

3,645 लाइसेंस रद्द या निलंबित किए गए और 418 प्राथमिकी दर्ज की गईं। जमाखोरी के विरुद्ध 667 नोटिस, 202 लाइसेंस रद्द या निलंबन तथा 37 प्राथमिकी, जबकि डाइवर्जन के मामलों में 2,991 नोटिस, 451 लाइसेंस रद्द या निलंबन और 92 प्राथमिकी दर्ज की गईं। सभी कार्रवाई आवश्यक वस्तु अधिनियम और उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 के तहत की गईं। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, बिहार, हरियाणा, पंजाब, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और गुजरात जैसे राज्यों में अभियान सबसे प्रभावी रहा। उत्तर प्रदेश में 28,273 निरीक्षण, 1,957 नोटिस और 2,730 लाइसेंस रद्द या निलंबित किए गए। महाराष्ट्र में 42,566 निरीक्षणों के साथ 1,000 से अधिक लाइसेंस रद्द, जबकि बिहार में लगभग 14,000 निरीक्षण और 500 से अधिक लाइसेंस निलंबित किए गए। इन कार्रवाइयों से कृत्रिम कमी और मूल्य हेराफेरी पर रोक लगी। गुणवत्ता पर निगरानी के तहत 3,544 नोटिस संदिग्ध निम्न गुणवत्ता वाले उर्वरकों पर जारी किए गए, जिनमें 1,316 लाइसेंस रद्द या निलंबन और 60 प्राथमिकी दर्ज की गईं।

नियमित नमूना परीक्षण और गुणवत्ता जांच के माध्यम से घटिया उर्वरकों को आपूर्ति श्रृंखला से हटाया गया ताकि किसानों तक केवल मानक गुणवत्ता के उर्वरक ही पहुंचेंराज्य सरकारों ने डिजिटल डैशबोर्ड और तत्काल निगरानी प्रणाली के माध्यम से भंडार की आवाजाही पर निगरानी रखी और जब्त किए गए उर्वरकों को सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों तक शीघ्र पहुंचाया। किसानों की शिकायतों पर भी त्वरित कार्रवाई की गई।

भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 14 नवंबर से होगा शुरू, दिखेगी भारत की विविधता

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में 14 नवंबर से 44वां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) शुरू होगा, जो 27 नवंबर तक चलेगा। इस बार का मेला 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की थीम पर होगा। भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) ने बताया कि इस बार इस मेले की थीम 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' देश की एकता और विविधता को दर्शाती है।

भारत मंडपम में लगने वाले ट्रेड फेयर में इस बार अलग-अलग हॉल में अलग सजावट की जाएगी। बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश 'साझेदार राज्य' के रूप में भाग लेंगे, जबकि झारखंड को 'फोकस' राज्य के रूप में चुना गया है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), चीन, ईरान, दक्षिण कोरिया और मिस्र सहित 12 देशों के विदेशी प्रदर्शक 14 दिन चलने वाले इस मेले में हिस्सा लेंगे। आईटीपीओ के मुताबिक मेले का समय सुबह 10 बजे से शाम साढ़े सात बजे तक रहेगा। भैरों रोड की ओर तीन व चार और मथुरा रोड पर छह व 10 नंबर प्रवेश द्वार से लोग आवाजाही कर सकते हैं। व्यावसायिक दिन 14 से 18 नवंबर के बाद इसे 19 से 27 नवंबर तक आम जनता के लिए खोला जाएगा। बयान में कहा गया कि भारत मंडपम के द्वारों पर टिकट की बिक्री नहीं होगी। टिकट डीएमआरसी के 55 मेट्रो स्टेशन पर की जाएगी। टिकट दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के 'साथी' ऐप के माध्यम से ऑनलाइन भी खरीदे जा सकेंगे। इसके अलावा वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजन को निःशुल्क प्रवेश दिया जाएगा।

पीयूष गोयल और सऊदी निवेश मंत्री ने आर्थिक, व्यापार संबंध मजबूत करने पर की चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में सऊदी अरब के निवेश मंत्री खालिद अल फलीह से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापार संबंधों को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा हुई। सऊदी अरब के निवेश मंत्री खालिद अल-फलीह और उनके प्रतिनिधिमंडल से मिलकर गोयल ने दोनों देशों के संबंधों को लेकर कहा कि हमारी साझेदारी आपसी विश्वास और साझा समृद्धि पर आधारित होने के साथ लगातार मजबूत बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि हमने भारत-सऊदी अरब के आर्थिक संबंधों को पहले से अधिक मजबूत बनाने, टेक्नोलॉजी, एनर्जी, इंफ्रास्ट्रक्चर और स्टार्टअप्स सहित अन्य क्षेत्रों में व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों को लेकर चर्चा की। गोयल ने आगे कहा कि हमारी साझेदारी आपसी विश्वास और साझा समृद्धि पर आधारित होकर लगातार मज़बूत होती जा रही है। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत

और सऊदी अरब के संस्कृति मंत्री प्रिंस बदर बिन अब्दुल्ला बिन फरहान अल सऊद ने 9 नवंबर को रियाद में सांस्कृतिक सहयोग पर द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य कला, विरासत, संगीत और साहित्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना है, जिससे दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत बनाया जा सके। सऊदी अरब भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जबकि भारत सऊदी अरब का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में 41.88 अरब यूएस डॉलर तक पहुंच गया है। इसमें रसायन और पेट्रोकेमिकल्स का योगदान 4.5 अरब अमेरिकी डॉलर है।

खुदरा महंगाई दर अक्टूबर महीने में घट कर 0.25 फीसदी पर

एजेंसी

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को बड़ी राहत देने वाली खबर है। खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में घट कर कई साल के निचले स्तर 0.25 फीसदी पर आ गई है। ये वर्तमान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) श्रृंखला का सबसे निचला स्तर है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी आंकड़ों में बताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती और सब्जियों एवं फलों की कीमतों में नरमी के कारण खुदरा महंगाई दर (मुद्रा स्फीति) में यह गिरावट आई है। एनएसओ की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में घट कर 0.25 फीसदी पर आ गई है। सितंबर माह में यह 1.44 फीसदी और अक्टूबर, 2024 में 6.21 फीसदी थी। इस तरह

सितंबर, 2025 की तुलना में अक्टूबर, 2025 की मुख्य मुद्रा स्फीति में 119 आधार अंकों की कमी आई है। यह वर्तमान सीपीआई श्रृंखला की वर्ष-दर-वर्ष सबसे कम महंगाई है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में खाद्य महंगाई घट कर शून्य से नीचे 5.02 फीसदी पर आ गई है। एनएसओ ने कहा कि अक्टूबर, 2025 के दौरान कुल महंगाई और खाद्य मुद्रा स्फीति में गिरावट मुख्य रूप से जीएसटी दर में कटौती, अनुकूल आधार प्रभाव एवं तेल एवं वसा, सब्जियों, फलों, अंडे, जूते, अनाज, परिवहन व संचार की महंगाई दर में नरमी के कारण आई है।

आदिवासियों के हाथों निर्मित वस्तुओं का निर्यात बढ़ाएगी केंद्र सरकार : पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार आदिवासियों के हाथों निर्मित वस्तुओं का निर्यात बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत के अलावा विदेश के बाजारों तक जनजातीय समाज की चीजों को पहुंचाने का काम हम आगे बढाएंगे।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री यशोभूमि में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्मजयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव दिवस के तहत जनजातीय व्यापार सम्मेलन-2025 के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। वाणिज्य मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने जनजातीय मामलों के मंत्रालय के लिए धन आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की है। गोयल ने आदिवासी व्यापार सम्मेलन में आदिवासी उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपके उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक योजना पर

काम चल रहा है। चाहे ई-कॉमर्स के माध्यम से हो या अंतरराष्ट्रीय गोदाम बनाकर, ताकि आपके उत्पाद वहां प्रदर्शित हो सकें, आपके उत्पाद वहां उपलब्ध हो सकें और लो आकर उन्हें खरीद सकें।पीयूष गोयल ने अपने संबोधन में यह भी सुझाव दिया कि उद्यमी उन वस्तुओं की पहचान करें, जिन्हें भौगोलिक संकेतक (जीआई) के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग के अंतर्गत आने वाली वस्तुओं को 10 वर्षों के लिए कानूनी संरक्षण प्राप्त होता है। अब जीआई टैग की फीस को 80 फीसदी कम कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिस किसी वस्तु को जीआई टैग मिल सकता है, उसे हमें छोड़ना नहीं चाहिए। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार, जनजातीय समाज को समृद्ध बनाने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस के तहत आयोजित बिज़नेस कॉन्क्लेव के माध्यम से इस क्षेत्र के विकास को प्रोत्साहन देते हुए यहां के इतिहास और संस्कृति के संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। यशोभूमि में संपन्न हुए जनजातीय व्यापार सम्मेलन का उद्देश्य जनजातीय उद्यमिता को मजबूत करना और समावेशी वृद्धि को गति देना था। डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, जनजातीय कार्य मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सम्मेलन में जनजातीय क्षेत्रों में उद्यम-आधारित विकास को गति देने पर एक दिवसीय संवाद के लिए 250 से अधिक जनजातीय उद्यमियों को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में एमएसएमई, कौशल विकास एवं उद्यमिता, वस्त्र, कृषि और ग्रामीण विकास जैसे मंत्रालयों की सक्रिय भागीदारी रही। इस मौके पर जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम ने कहा कि सरकार इन उद्यमियों के विकास के लिए काम करने को प्रतिबद्ध है।

सीतारमण ने बजट पूर्व परामर्श के लिए एमएसएमई क्षेत्र के हितधारकों से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजधानी नई दिल्ली में आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 के संबंध में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के हितधारकों के साथ तीसरी बजट-पूर्व परामर्श की अध्यक्षता की। निर्मला सीतारमण ने एमएसएमई क्षेत्र के हितधारकों के साथ तीसरी बजट-पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। ये बैठक आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 की तैयारियों के हिस्से के रूप में आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान चर्चा में एमएसएमई क्षेत्र के समक्ष आने वाली प्रमुख चुनौतियों तथा इसके विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता

को बढ़ावा देने के उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव, वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और एमएसएमई मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 के संबंध में नई दिल्ली में देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ पहली बजट-पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। ये बैठकें बजट-पूर्व चर्चाओं की श्रृंखला की शुरुआत का प्रतीक हैं, जिसे वित्त मंत्रालय बजट तैयारी प्रक्रिया के भाग के रूप में प्रतिवर्ष आयोजित करता है।

वित्तीय सेवा विभाग ने जन समर्थ पोर्टल पर स्टार्टअप कॉमन एप्लीकेशन जर्नी लॉन्च की

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने नई दिल्ली में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की समीक्षा बैठक के दौरान जनसमर्थन पोर्टल पर स्टार्टअप कॉमन एप्लीकेशन जर्नी लॉन्च की। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने वरिष्ठ अधिकारियों, भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के अध्यक्ष, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के एमडी और सीईओ, पीएसबी एलायंस के एमडी एवं सीईओ तथा आईबीए के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में लॉन्च स्टार्टअप कॉमन एप्लीकेशन जर्नी को आईबीए ने पीएसबी एलायंस के सहयोग से विकसित किया गया है। यह पोर्टल स्टार्टअप्स को सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से ऋण प्राप्त करने के लिए एक सिंगल डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करता है। ये स्टार्टअप्स को ऋण के लिए आवेदन करने, प्रस्तावों की

तुलना करने और एक एकीकृत डिजिटल यात्रा के माध्यम से अपने आवेदनों को सहजता से ट्रैक करने में सक्षम बनाता है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक एक आदर्श ऋण योजना द्वारा समर्थित यह पहल स्टार्टअप्स के लिए ऋण गारंटी योजना के तहत 20 करोड़ रुपये तक के ऋण प्रदान करती है, जो उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के तत्वावधान में है। यह प्लेटफ़ॉर्म पैन, जीएसटी, उद्यम, आईटीआर और क्रेडिट ब्यूरो जैसे डेटा स्रोतों को एकीकृत करता है, जिससे तेज़ प्रसंस्करण और अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। महिला उद्यमियों को विशेष ब्याज रियायतें भी दी जाती हैं जो समावेशिता को और बढ़ावा देती हैं। वित्त मंत्रालय ने कहा कि ये लॉन्च भारत के बढ़ते स्टार्टअप क्षेत्र के लिए एक सहयोगात्मक, प्रौद्योगिकी-संचालित इकोसिस्टम के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है। स्टार्ट-अप ऋण आवेदन पत्र लिंक https://www.jansamarth.in/business-loan-startup-scheme पर उपलब्ध है।

वित्त मंत्री ने सऊदी अरब के निवेश मंत्री से मुलाकात की, द्विपक्षीय निवेश संधि पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में सऊदी अरब के निवेश मंत्री खालिद अल फलीह से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय निवेश संधि के बारे में चर्चा की।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक दोनों नेताओं ने भारत और सऊदी अरब के बीच द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर चर्चा की। वे मजबूत दो-तरफा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को अनलॉक करने और सहयोग को गहरा करने में मदद के लिए इसके शीघ्र निष्कर्ष की आवश्यकता पर सहमत हुए। इसके अलावा दोनों नेताओं ने भारत और सऊदी अरब के बीच द्विपक्षीय निवेश संधि में प्रगति की समीक्षा की। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय निवेश संधि

और आपसी सहयोग को और गहरा करने के लिए बीआईटी को शीघ्र संपन्न करने की भी मांग की गई। उल्लेखनीय है कि भारत, सऊदी अरब का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जबकि सऊदी अरब, भारत का 5वां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 41.88 अरब डॉलर का रहा है, जिसमें भारतीय निर्यात 11.76 अरब डॉलर और आयात 30.12 अरब डॉलर का रहा।

चालू वित्त वर्ष में हवाई यात्रियों की संख्या 4.3 प्रतिशत बढ़ने की संभावना: रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या करीब 4.3 प्रतिशत और अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों की संख्या लगभग आठ प्रतिशत बढ़ने की संभावना है। साख निर्धारण, विश्लेषण और सलाह सेवा देने वाली कंपनी केयरएज रेटिंग्स ने बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। उसने वित्त वर्ष 2025-26 में हवाई यात्रियों की संख्या 43 करोड़ रहने का अनुमान जताया है। केयरएज ने पहले हवाई यात्रियों की संख्या 44.5 करोड़ रहने की संभावना जताई थी, लेकिन पहली छमाही के सरकारी आंकड़ों को देखने के बाद अपना अनुमान घटा दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब हवाई यात्रियों की संख्या में 4.3 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है। पिछले वित्त वर्ष में यह संख्या 9.4 प्रतिशत बढ़ी थी। इसमें घरेलू यात्रियों की संख्या करीब 3.5 प्रतिशत और अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों की आठ प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान जताया गया है। केयरएज रेटिंग्स के एसोसिएट डायरेक्टर पलक व्यास ने कहा कि पहली तिमाही में सीमा पर तनाव के असर, अहमदाबाद विमान हादसे के बाद बड़े पैमाने पर विमानों के निरीक्षण और वाइड बॉडी विमानों के आने में देरी के कारण यात्रियों की संख्या के अनुमान में कमी की गयी है। इन सभी कारकों के कारण पहली छमाही में हवाई यात्रियों की संख्या में सुस्त वृद्धि दर्ज की गयी।

निर्यात क्षेत्र को मजबूत करने की 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन को मंज़ूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में निर्यात क्षेत्र की परिस्थितियों को बेहतर और मजबूत बनाने के लिए 25,600 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) को बुधवार मंजूरी दी।

इस मिशन के अंतर्गत कपड़ा, चमड़ा, रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान और समुद्री उत्पाद क्षेत्र को प्राथमिकता के आधार पर सहायता प्रदान की जाएगी जो हाल में अमेरिका की आयात शुल्क संबंधी कार्रवाइयों से विशेष रूप से प्रभावित हुई है। सरकार ने कहा है कि इससे निर्यात ऑर्डरों को बनाए रखने, नौकरियों की रक्षा करने और नए भौगोलिक क्षेत्रों में विविधीकरण को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। इस मिशन की घोषणा वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री निर्मला सीतारमण ने चालू वित्त वर्ष के बजट को प्रस्तुत करते हुए की थी लेकिन इसको ऐसे समय लागू करने का निर्णय किया गया है जब भारतीय निर्यात को वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है जिसमें अमेरिका में भारतीय माल पर 50 प्रतिशत की दर से भारी शुल्क की चुनौती भी जुड़ गयी है।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल के इस निर्णय की जानकारी देते हुए सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि निर्यात संवर्धन मिशन बजट 2025-26 में घोषित एक प्रमुख पहल है। इसका निर्यात बाजार में भारत के निर्यात क्षेत्र, विशेष रूप से पहली बार निर्यात करने वाले और श्रम-प्रधान सूक्ष्म, लघु और मझोल क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धा क्षमता को मज़बूत करना है। यह मिशन 2025-26 से 2030-31 तक चलाया जाएगा और इस पर कुल 25,060 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय का प्रावधान किया जाएगा।

मंत्रिमंडल की बैठक के बाद जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) इस मिशन के लिए कार्यान्वयन एजेंसी का काम करेगा। इसमें सभी प्रक्रियाओं - आवेदन से लेकर संवितरण तक - का प्रबंधन मौजूदा व्यापार प्रणालियों के साथ एकीकृत एक समर्पित डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से किया जाएगा। इसके तहत निर्यात संवर्धन के लिए एक व्यापक, मजबूत और डिजिटल रूप से संचालित ढाँचा प्रदान किया जाएगा। इसके तहत कई अलग-अलग योजनाओं को रणनीति के तहत एकीकृत कर उन्हें परिणाम-आधारित और समय की जरूरत के अनुसार व्यवस्थित किया जा रहा ताकि वैश्विक व्यापार चुनौतियों और निर्यातकों की उभरती ज़रूरतों का समय पर सामाधन किया जा सके। निर्यात संवर्धन मिशन में वाणिज्य विभाग, एमएसएमई मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और वित्तीय संस्थानों, निर्यात संवर्धन परिषदों, कमोडिटी बोर्डों, उद्योग संघों और राज्य सरकारों सहित अन्य प्रमुख हितधारक शामिल किये गये हैं।यह मिशन दो एकीकृत उप-योजनाओं के जरिये चलाया जाएगा । इसमें एक योजना निर्यात प्रोत्साहन और दूसरी निर्यात की दिशा पर केंद्रित होगी। निर्यात प्रोत्साहन उप - योजना में निर्यात को को सस्ते कर्ज के लिए ब्याज अनुदान, निर्यात फैक्टरिंग, संपार्श्विक गारंटी, ई-कॉमर्स निर्यातकों के लिए क्रेडिट कार्ड और नए बाजारों में विविधीकरण के लिए ऋण वृद्धि सहायता जैसे विभिन्न साधनों के माध्यम से एमएसएमई के लिए किफायती व्यापार वित्त सुलभ करने के उपाय शामिल किये गये हैं।निर्यात दिशा की उप-योजना में वित्तेतर उपाय शामिल हैं जो वैश्विक बाजार के लिए तैयारी और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने वाले हैं। इनमें निर्यात गुणवत्ता और विश्विक मानकों के अनुपालन के लिए सहायता, अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडिंग, पैकेजिंग और व्यापार मेलों में भागीदारी, निर्यात भंडारण और रसद, अंतर्देशीय परिवहन प्रतिपूर्ति, और व्यापार खुफिया एवं क्षमता निर्माण पहल शामिल हैं। इस मिशन में ब्याज समानीकरण योजना (आईईएस) और बाज़ार में प्रवेश की पहल (एमएआई) जैसी दो प्रमुख निर्यात सहायता योजनाओं को समेकित किया गया है।

मामदानी ने की, अपने प्रशासन की दो प्रमुख नियुक्तियों की घोषणा

एजेंसी

न्यूयॉर्क सिटी। न्यूयॉर्क के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान मामदानी ने डीन फुलेहियन को ' फर्स्ट डिप्टी मेयर' और अपनी विश्वस्त सलाहकार एले बिसगार्ड-चर्च को 'चीफ ऑफ स्टाफ' के तौर पर नामांकित किए जाने की घोषणा की है। फुलेहियन, 74 वर्षीय सार्वजनिक सेवा के अनुभवी अधिकारी हैं। वह पहले बिल डी ब्लासियो प्रशासन में फर्स्ट डिप्टी मेयर रह चुके हैं। डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट्स ऑफ अमेरिका (डीएसए) से सम्बद्ध मामदानी ने कहा, 'डीन का अनुभव न्यूयॉर्क को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण होगा। वह बजट, नीति और संकट प्रबंधन में माहिर हैं।' फुलेहियन माइक ब्लूमबर्ग और एरिक एडम्स के कार्यकाल में भी प्रमुख भूमिकाओं में रहे हैं। बिसगार्ड-चर्च मामदानी की लंबे समय की सहयोगी हैं, जो डीएसए की प्रमुख कार्यकर्ता हैं। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, उन्होंने मामदानी के मेयर चुनाव अभियान का पर्दे के पीछे से संचालन किया था। मामदानी ने उनकी प्रशंसा करते हुए कहा, 'एले मेरी दाहिनी हाथ हैं। वह डीएसए के मूल्यों को सिटी हॉल तक ले आएंगी। ' हाल ही में सम्पन्न मेयर चुनावों में मामदानी ने एरिक एडम्स को पराजित किया था। वह शहर के दक्षिण एशियाई मूल के पहले मुस्लिम मेयर बने हैं। वह अगले साल जनवरी में पदभार संभालेंगे।

जेल तोड़कर भागे कैदियों और लूटे गए हथियारों से सुरक्षा चुनौती बढ़ी, नेपाल ने भारत से मांगी मदद

काठमांडू। सशस्त्र पुलिस महानिरीक्षक राजु अर्याल ने बुधवार से नई दिल्ली में शुरू हुई नेपाल-भारत सीमा सुरक्षा समन्वय बैठक में कहा कि नेपाल में जेन-जी आंदोलन के दौरान फरार कैदियों और लूटे गए हथियारों के कारण सुरक्षा चुनौती बढ़ी है। उन्होंने भारत से जांच में सहयोग करने और जेल तोड़कर भागे कैदियों और पुलिस बैरक व कार्यालयों से लूटे गए हथियारों को नियंत्रित करने में भारत से मदद मांगी है। नेपाल-भारत सीमा सुरक्षा समन्वय बैठक में भाग लेने के लिए महानिरीक्षक अर्याल के नेतृत्व में आठ सदस्यीय उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को दिल्ली पहुंचा था। बुधवार से शुरू हुई सीमा सुरक्षा बैठक के दौरान अर्याल ने अपने भारतीय समकक्ष सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के महानिदेशक संजय सिंघल से मुलाकात में यह मुद्दा औपचारिक रूप से उठाया। बैठक में उपस्थित एक नेपाली अधिकारी के अनुसार सिंघल ने इस बात को स्वीकार किया कि यह स्थिति दोनों देशों के लिए गंभीर सुरक्षा चुनौती है और उन्होंने नेपाल को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

बिहार चुनाव के बाद नेपाल-भारत की सीमा खुली, सुरक्षा-व्यवस्था में कोई ढील नहीं

काठमांडू। बिहार में विधान सभा चुनाव के लिए तीन दिनों तक बंद की गई नेपाल-भारत सीमा नियमित रूप से खोल दी गई, लेकिन दिल्ली में धमाके की घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था में कोई ढील नहीं दी गई है। सशस्त्र पुलिस के प्रवक्ता डीएसपी शैलेन्द्र थापा के अनुसार सीमा पर तैनात नेपाल सशस्त्र प्रहरी बल ने सभी प्रमुख सीमा नाकों पर बुधवार से एसएसपी स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों की तैनाती कर दी है। यह कदम बदलती सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के उद्देश्य से उठाया गया है।उन्होंने बताया कि भारत की राजधानी नई दिल्ली में बीते दिनों विस्फोट की घटना और बड़े पैमाने पर विस्फोटक पदार्थ की बरामदगी के बाद नेपाल भारत सीमा पर फिलहाल कोई भी ढील नहीं दी जाएगी। डीएसपी थापा के मुताबिक खुली सीमा का फायदा उठाकर कोई भी अवांछित व्यक्ति सीमा पार नहीं करे, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। चुनाव के बाद आज से सीमा खुलने पर भी सभी आने जाने वालो की फोटो आईडी की जांच की जा रही है। वाहनों की भी अच्छी तरह से जांच कर ही उन्हें सीमा पार करने की अनुमति दी जा रही है। इसके साथ ही नशीले पदार्थों, हथियारों की तस्करी, फरार कैदियों और अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलग्न व्यक्तियों को नियंत्रण में लेकर संबंधित निकायों को सौंपने की व्यवस्था की गई है।

भारत में आतंकवादी हमले के लिए बांग्लादेश की धरती का इस्तेमाल नहीं

ढाका। बांग्लादेश ने भारतीय मीडिया की उन रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर दिया है जिनमें दावा किया गया है कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफ़िज़ सईद ने भारत में हमले की योजना बनाने के लिए बांग्लादेश की धरती का इस्तेमाल किया है। बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने यहां मंगलवार शाम को विदेश मंत्रालय में पत्रकारों से वार्ता में कहा, चाहे कुछ भी हो जाए, मीडिया हमें दोषी ठहराने की कोशिश करेगा। लेकिन इस पर विश्वास करने का कोई कारण नहीं है। कोई भी समझदार व्यक्ति ऐसा नहीं करेगा। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में, उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का प्रतिनिधित्व करने वाले ब्रिटेन के लंदन स्थित दो वकीलों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी, बांग्लादेश) में उनके खिलाफ जारी मुकदमे के संबंध में भेजे गए पत्र पर संयुक्त राष्ट्र ने कोई टिप्पणी जारी नहीं की है। हसीना और तीन अन्य लोगों पर मानवता के विरुद्ध अपराध के आरोप हैं। ब्रिटिश वकीलों ने संयुक्त राष्ट्र से की गई अपील में आईसीटी मुकदमे की निष्पक्षता को चुनौती दी है।

तुर्किये ने लालकिला विस्फोट कांड में उसका हाथ होने की खबरों का खंडन किया

एजेंसी

अंकारा। तुर्किये ने भारत की राजधानी दिल्ली में लाल किले के समीप हुए विस्फोट को लेकर भारतीय मीडिया में छपी उन रिपोर्टों को निराधार बताते हुए उनका खंडन किया है जिनमें कहा गया है कि भारत के खिलाफ हमलों के लिए तुर्किए आतंकवादियों को सहायता प्रदान कर रहा है। तुर्किये सरकार के संचार विभाग ने बुधवार रात जारी एक बयान में कहा कि कुछ भारतीय मीडिया संस्थानों में यह दावा किया जा रहा है कि तुर्किये भारत में आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ा है और आतंकवादी समूहों को सैन्य, राजनयिक और वित्तीय सहायता प्रदान करता है, जो दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नुकसान पहुँचाने के उद्देश्य से एक दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा है। बयान में कहा गया है कि

तुर्किये सभी आतंकवादी कार्रवाइयों का दृढ़ता से खंडन करता है, चाहे वे कहीं भी या किसी के द्वारा भी किए गए हों। वह अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ सहयोग के माध्यम से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक अग्रणी देश के रूप में खड़ा है। इस संदर्भ में, तुर्किये संयुक्त राष्ट्र की वैश्विक आतंकवाद-रोधी रणनीति में सक्रिय रूप से योगदान देता है और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की आतंकवाद-रोधी नीतियों को 'आकार' देने में प्रभावी भूमिका निभाता है। तुर्किए ने कहा, यह दावा कि तुर्किये भारत या किसी अन्य देश को निशाना बनाकर कट्टरपंथी गतिविधियों में शामिल है, पूरी तरह से भ्रामक है और इसका कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है। तुर्किये को निशाना बनाकर की गई ऐसी निराधार और भ्रामक रिपोर्टें अंतर्राष्ट्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता में हमारे देश के योगदान को कमज़ोर करने का प्रयास हैं। जनता को सलाह दी जाती है कि वे ऐसी भ्रामक दावों एवं सूचनाओं पर विश्वास न करें। दिल्ली में सोमवार को लालकिले के पास एक कार में हुए विस्फोट की घटनाओं की जांच में पता चला है कि हमले में शामिल आरोपियों ने तुर्किए की यात्रा की थी और जांच एजेंसियां इस बात की जांच कर रहीं हैं कि कहीं पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन जैश ए मोहम्मद के आतंकवादियों से आरोपियों की मुलाकात तुर्किए में ही हुई हो और शायद वहीं पर यह साजिश रची गयी हो। इस घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है।

अमेरिका ने ईरान की मिसाइलों, ड्रोनों के उत्पादन में मददगार 'लोगों' और 'संस्थाओं' पर लगाए प्रतिबंध

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन उत्पादन को समर्थन देने वाले भारत सहित कई देशों के 'लोगों' और 'संस्थाओं' पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के यहां जारी एक बयान में इस आशय की जानकारी दी गई। ऐसा ईरान पर उसके परमाणु कार्यक्रम के खिलाफ दबाव बनाने के लिए किया गया है। बयान के मुताबिक प्रतिबंधों में ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, तुर्किये, चीन, हांगकांग, भारत, जर्मनी और यूक्रेन में स्थित कुल 32 व्यक्तियों और संस्थाओं को निशाना बनाया गया है, जो कई तरह के 'बिक्री और खरीद नेटवर्क' संचालित करते हैं। मंत्रालय ने कहा, ये नेटवर्क पश्चिम एशिया में अमेरिकी और उसके सहयोगी देशों के साथ ही लाल सागर में वाणिज्यिक नौवहन के लिए खतरा पैदा करते हैं। अमेरिका, उसके यूरोपीय सहयोगी और इज़राइल का आरोप है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम का इस्तेमाल हथियार उत्पादन क्षमता विकसित करने के प्रयासों को छिपाने के लिए कर रहा है। हालांकि ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम केवल शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए ही है।

सीओपी-30 - आदिवासी प्रदर्शनकारियों ने प्रवेश द्वार तोड़ा, सुरक्षाकर्मियों से झड़प

एजेंसी

बेलेम(ब्राजील)। ब्राजील के बेलेम में चल रहे 30वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी-30) के आयोजन स्थल पर मंगलवार को उस समय तनावपूर्ण माहौल बन गया जब दर्जनों आदिवासी प्रदर्शनकारियों ने सम्मेलन स्थल में जबरन घुसने की कोशिश की। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों के साथ हुई उनकी झड़प में दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।

मीडिया खबरों के मुताबिक प्रदर्शनकारियों ने भूमि अधिकारों की मांग करते हुए नारेबाजी की और कहा, 'हमारी भूमि बिक्री के लिए नहीं है। ' सैकड़ों की संख्या में मार्च करके यहां पहुंचे इन प्रदर्शनकारियों ने मुख्य द्वार पर धक्कामुक्की की। वे भूमि अधिकारों के झंडे लहराते हुए तख्तियां थामे थे, जिन पर लिखा था, 'हम पैसे से भोजन नहीं खा सकते। ' टुपिनांबा समुदाय के नेता नाटो ने कहा, 'हमें कृषि व्यवसाय, तेल खोज, अवैध खनन और लकड़ी तस्करों से मुक्त भूमि चाहिए।' इस बीच सुरक्षाकर्मियों ने मेजें लगाकर उनका रास्ता रोका, लेकिन झड़प में एक गार्ड को पेट में चोट लगी और

उसे व्हीलचेयर पर ले जाना पड़ा, जबकि दूसरे के सिर पर चोट आई है।संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा अवरोध तोड़े, जिससे दो सुरक्षा कर्मियों को मामूली चोटें आईं और सम्मेलन स्थल को थोड़ा नुकसान हुआ। ब्राजील और संयुक्त राष्ट्र के सुरक्षा बलों ने प्रोटोकॉल के तहत स्थल को सुरक्षित कर लिया है। मुख्य द्वार की मरम्मत के लिए इसे बंद कर दिया गया है। इस बाबत जांच जारी है, लेकिन सीओपी वार्ताएं भी निर्बाध रूप से जारी हैं।ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा ने आदिवासी समुदायों को वार्ताओं में प्रमुख 'भूमिका' देने का वादा किया है। प्रसिद्ध आदिवासी नेता रावनी मेटुक्तिरे के मुताबिक, 'ब्राजील को हमें अमेज़न संरक्षण के लिए सशक्त बनाना चाहिए, क्योंकि उद्योग और विकास परियोजनाओं से समुदाय परेशान हैं। ' दस नवंबर से आरंभ यह सम्मेलन 21 नवंबर तक चलेगा जिसमें अमेज़न के वन संरक्षण और जलवायु प्रदूषण से संबंधित प्रमुख विषयों पर वार्ता हो रही है। सम्मेलन में 190 से अधिक देशों के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं।

स्टार्मर के नेतृत्व में परिवर्तन की कोई साजिश नहीं-स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रिटिंग

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रिटिंग ने प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के खिलाफ नेतृत्व परिवर्तन की किसी साजिश में शामिल होने के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, स्ट्रिटिंग ने यहां बुधवार को साफ तौर पर कहा कि वह स्टार्मर को चुनौती देने का कोई इरादा नहीं रखते। उन्होंने इस बाबत मीडिया की हाल की खबरों को 'झूठी अफवाहें' करार दिया। यह बयान ऐसे समय में आया है जब लेबर पार्टी में बजट के बाद आंतरिक असंतोष बढ़ गया है। इस बीच स्ट्रिटिंग ने एक टेलीविजन साक्षात्कार में कहा, 'मैंने कभी भी प्रधानमंत्री को हटाने की कोई योजना नहीं बनाई। ये अफवाहें पार्टी को कमजोर करने का प्रयास हैं।' उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय, डाउनिंग स्ट्रीट से आने वाली 'विषाक्त संस्कृति' की आलोचना की और कहा कि अज्ञात सहयोगियों द्वारा मीडिया को दिए गए बयान 'नुकसान दायक ' हैं।

लेबर पार्टी के प्रमुख चेहरों में से एक, स्ट्रिटिंग ने जोर देकर कहा कि वह स्टार्मर के नेतृत्व का समर्थन करते रहेंगे, भले ही इस मामले में

पार्टी में कितना भी असंतोष हो। यह विवाद लेबर सरकार के हालिया बजट के बाद भड़का, जिसमें कटौती और कर वृद्धि पर सांसदों की नाराजगी सामने आई। मीडिया खबरों के अनुसार, स्ट्रिटिंग को पार्टी के 'बेंच वार्मर्स' (पीछे की बेंचों पर बैठने वाले सांसदों) का समर्थन मिला है, जो स्टार्मर की नीतियों से असंतुष्ट हैं। हालांकि, स्ट्रिटिंग ने इन आरोपों को 'जानबूझ' कर पार्टी को कमजोर करने की कोशिश बताया और 'डाउनिंग स्ट्रीट' पर 'गलत बयानबाजी' का आरोप लगाया। उधर विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी ने इस विवाद को तूल देते हुए स्टार्मर की साख पर सवाल उठाए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा, 'लेबर सरकार आंतरिक कलह से जूझ रही है। ' गौरतलब है कि इस बाबत असंतोष बढ़ने पर स्टार्मर को 1922 कमेटी के माध्यम से अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ सकता है, जहां 15फीसदी सांसदों का समर्थन 'पर्याप्त' होता है। यह विवाद डाउनिंग स्ट्रीट और मंत्रिमंडल के बीच मतभेदों को उजागर करता है। स्टार्मर, पिछले साल जुलाई में सत्ता में आए थे।

बोंइग कंपनी विमान हादसे के लिए 2.8 करोड़ डालर से अधिक का भुगतान करेगी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में शिकागो की संघीय अदालत ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए बोइंग कंपनी को 2019 में इथियोपिया में 737 'मैक्स जेट' हादसे में मारे गए संयुक्त राष्ट्र की एक भारतीय मूल की पर्यावरण कार्यकर्ता के परिजनों को 2.8 करोड़ डॉलर से अधिक का भुगतान करने का आदेश दिया है।

यह ऐतिहासिक फैसला उन दर्जनों मुकदमों में दिया जाने वाला पहला न्यायिक निर्णय है जो कुल 346 लोगों की जान लेने वाली 737 मैक्स विमानों की दो भीषण दुर्घटनाओं से जुड़े हैं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक इथियोपियाई एयरलाइंस की फ्लाइट 302 की 32 वर्षीय यात्री शिखा गर्ग के परिजनों को सभी पक्षकारों के बीच हुए समझौते के तहत पूर्ण फैसले की राशि के साथ 26 प्रतिशत ब्याज सहित कुल 3.585 करोड़ डॉलर प्राप्त होंगे। शिखा के परिजनों के वकीलों, शैनिन स्पेक्टर और एलिजाबेथ क्रॉफर्ड ने बताया कि समझौते के अनुसार, बोइंग ने फैसले के खिलाफ अपील न करने का वादा किया है।

यह मामला उस समय का है जब शिखा गर्ग इथियोपिया की राजधानी आदिस अबाबा से केन्या के नैरोबी जा रही थीं उसी समय विमान उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मुकदमे में बोइंग पर 737 मैक्स विमान के दोषपूर्ण डिजाइन और यात्रियों तथा जनता को इसके 'ज्ञात' खतरों के बारे में चेतावनी न देने का आरोप लगाया गया था। दुर्घटना का कारण एक खराब स्वचालित उड़ान नियंत्रण प्रणाली थी, जो पांच महीने पहले इंडोनेशिया के जावा सागर में 'लायन' एयर लाइन के विमान 610 की दुर्घटना का भी कारण बनी थी।

बोइंग की एक प्रवक्ता ने एक बयान जारी कर दोनों विमान दुर्घटनाओं के प्रति गहरा अफसोस जताते हुए कहा , 'कंपनी उन सभी को गहरा दुख पहुंचाने के लिए क्षमाप्रार्थी है जिन्होंने इन दो उड़ानों में अपने प्रियजनों को खोया। हालांकि हमने इन दावों का अधिकांश हिस्सा सुलह के माध्यम से निपटा लिया है, लेकिन मृतकों के परिजनों को अदालत में क्षतिपूर्ति के मुकदमों के जरिए अपने दावे आगे बढ़ाने का अधिकार है और हम उनका सम्मान करते हैं। ' शिखा के परिजनों के वकीलों के एक संयुक्त बयान के मुताबिक , 'यह फैसला बोइंग के 'गलत आचरण' के लिए सार्वजनिक जवाबदेही सुनिश्चित करता है। '

बोइंग ने संबंधित नागरिक मुकदमों के 90 प्रतिशत से अधिक का पहले ही निपटारा कर लिया है और मुकदमों, स्थगित अभियोजन समझौते तथा अन्य भुगतानों के माध्यम से अरबों डॉलर का मुआवजा वितरित किया है।

एक सप्ताह पहले, पांच नवंबर को, कंपनी ने इथियोपियाई एयरलाइंस दुर्घटना के तीन अन्य पीड़ितों के परिवारों के साथ सुलह की थी। हालांकि इस बाबत शर्तें गोपनीय रखी गई हैं। बोइंग 737 मैक्स की दुर्घटनाओं के कारण लगभग दो वर्षों के लिए इस विमान बेड़े को दुनियाभर में 'ग्राउंड' कर दिया गया था, जिससे बोइंग की प्रतिष्ठा और वित्तीय स्थिति पर गहरा प्रभाव पड़ा।

अमेरिका में सरकारी शटडाउन खत्म होने के करीब, सीनेट में विधेयक के समर्थन में मतदान

एजेंसी

वॉशिंगटन। करीब 41 दिनों से अमेरिका में जारी शटडाउन खत्म होने के करीब है। अमेरिकी सांसदों ने शटडाउन खत्म करने के पक्ष में वोट किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर के साथ यह कानून बन जाएगा और सरकारी कामकाज दोबारा शुरू होने का रास्ता साफ हो जाएगा। शटडाउन के कारण लाखों संघीय कर्मचारियों को वेतन और खाद्य सहायता बाधित होने के साथ-साथ हवाई यात्राओं में भारी देरी देखने को मिली। अमेरिका के सरकारी शटडाउन को खत्म करने के विधेयक को कांग्रेस ने मंजूरी दी। हाउस ऑफ रीप्रजेंटेटिव ने बाधित खाद्य सहायता दोबारा शुरू करने, संघीय कर्मचारियों के वेतन और हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली पुनर्जीवित करने के लिए मतदान किया।

भारत-बोत्सवाना न्यायपूर्ण और टिकाऊ वैश्विक व्यवस्था का निर्माण कर सकते हैं: राष्ट्रपति मुर्मु

एजेंसी

गाबोरोन (बोत्सवाना)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारत के विकसित भारत 2047 विजन और अफ्रीका के एजेंडा 2063 के तहत दोनों देश मिलकर एक न्यायपूर्ण, टिकाऊ और समावेशी वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भारत और बोत्सवाना की साझेदारी लोकतंत्र, मानव गरिमा और समान विकास के साझा मूल्यों पर आधारित है। राष्ट्रपति मुर्मु ने गुरुवार को बोत्सवाना की राजधानी गाबोरोन में नेशनल असेंबली को संबोधित करते हुए कहा कि बोत्सवाना लोकतंत्र, सुशासन और प्रभावी नेतृत्व का उदाहरण है, जहां राष्ट्रीय संसाधनों का उपयोग समाज के वंचित वर्गों के उत्थान और सर्वांगीण विकास के लिए किया जाता है। इस अवसर पर उनका स्वागत स्पीकर दिथापेलो एल केओरापेत्से, उपाध्यक्ष और विपक्ष के

नेता ने किया। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और बोत्सवाना के बीच सहयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी, कृषि, रक्षा, व्यापार और निवेश जैसे क्षेत्रों में निरंतर मजबूत हुआ है। भारत बोत्सवाना के मानव संसाधन विकास और क्षमता निर्माण में अपनी भागीदारी पर गर्व महसूस करता है। पिछले एक दशक में बोत्सवाना के एक हजार से अधिक युवाओं ने भारत में शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय कंपनियां बोत्सवाना के हीरा, ऊर्जा और अवसंरचना क्षेत्रों में सक्रिय हैं और नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल नवाचार, औषधि निर्माण तथा खनन क्षेत्रों में भी व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने दोनों देशों के व्यावसायिक समुदायों से आर्थिक साझेदारी की पूरी क्षमता का उपयोग करने की अपील की। इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मु ने बोत्सवाना की डायमंड ट्रेडिंग कंपनी का दौरा किया, जहां उनका स्वागत खनिज और ऊर्जा मंत्री बोगोलो केनेवेंडो तथा विदेश मंत्री फेन्यो बुटाले ने किया। इसके बाद उन्होंने श्री दिकगोसि स्मारक का दौरा कर बोत्सवाना की स्वतंत्रता आंदोलन के तीन जनजातीय नेताओं खामा तृतीय, सेबेले प्रथम और बाथोएन प्रथम को श्रद्धांजलि अर्पित की।

पेरू में दर्दनाक बस हादसा, 37 लोगों की मौत

अरेक्विपा क्षेत्र में बस गहरी खाई में गिरी, 26 घायल

एजेंसी

लीमा। दक्षिणी पेरू के अरेक्विपा क्षेत्र में तड़के एक भीषण सड़क हादसे में कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई और 26 लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा पैनअमेरिकाना सुर राजमार्ग पर हुआ, जब एक बस अचानक नियंत्रण खो बैठी और गहरी खाई में जा गिरी।अरेक्विपा के क्षेत्रीय स्वास्थ्य प्रमुख वाल्थर ओपोर्टो ने बताया कि मौके पर 36 लोगों की मौत हुई, जबकि एक व्यक्ति ने अस्पताल में दम तोड़ा। उन्होंने बताया कि बस ने एक वैन को टक्कर मारी, जिसके बाद वाहन सड़क से फिसलकर नीचे जा गिरा। अरेक्विपा प्रशासन ने सोशल मीडिया पर बताया कि 26 घायल यात्रियों का इलाज चल रहा है, जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि बस ओकोना जिले

(Ocona District) से गुजर रही थी, जब यह हादसा हुआ। स्थानीय दमकलकर्मी और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। कई घायलों को हेलिकॉप्टर और एंबुलेंस से पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। फिलहाल हादसे के सही कारणों की जांच की जा रही है, हालांकि प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार बस चालक ने सड़क पर अचानक सामने आई वैन से बचने की कोशिश की, जिसके चलते वाहन नियंत्रण से बाहर हो गया।

यूक्रेन में भ्रष्टाचार पर जेलेंस्की सख्त, ऊर्जा मंत्रियों को बर्खास्त करने के निर्देश

एजेंसी

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने देश में उजागर हुए बड़े ऊर्जा घोटाले पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए संबंधित ऊर्जा मंत्रियों को पद से हटाने के निर्देश दिए हैं। यह घोटाला हाल ही में यूक्रेन की राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी (एनएबीयू) की जांच में सामने आया था, जिसमें कई वरिष्ठ ऊर्जा अधिकारियों पर 100 मिलियन डॉलर के कथित रिश्वत घोटाले का आरोप लगा है। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर बयान जारी करते हुए कहा, 'यह भरोसे का मामला है। अगर आरोप लगे हैं, तो उनका जवाब देना जरूरी है।' उन्होंने प्रधानमंत्री ओलेक्सांद्र स्विरीडेंको से आग्रह किया है कि वे संबंधित ऊर्जा मंत्रियों से इस्तीफे के पत्र मांगें, ताकि जांच के दौरान वे किसी भी प्रभावशाली पद पर न रहें। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि जब देश रूस के लगातार हमलों से बिजली संकट झेल रहा है और लाखों लोग बार-बार होने वाले ब्लैकआउट्स से परेशान हैं, तब ऊर्जा क्षेत्र में भ्रष्टाचार जैसी हरकतें 'बिलकुल अस्वीकार्य' हैं। जेलेंस्की की यह सख्त कार्रवाई ऐसे समय आई है जब यूक्रेन यूरोपीय संघ की सदस्यता और पश्चिमी देशों से वित्तीय सहयोग पाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। ऐसे में भ्रष्टाचार पर कठोर रुख अपनाना उनके प्रशासन के लिए राजनीतिक और नैतिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

एच -1 बी वीजा पर ट्रंप का यू टर्न, बोले-विदेशी प्रतिभाएं देश के लिए जरूर

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को 'एच- 1 बी' वीजा योजना पर अपने रुख में बदलाव करते हुए कहा कि देश को कुछ 'क्षेत्रों' में बाहर से प्रतिभाओं को लाने की ज़रूरत है। फॉक्स न्यूज़ के साथ एक साक्षात्कार के दौरान एच-1 बी वीजा मुद्दे पर ट्रंप का यह आश्चर्यजनक बयान इस मसले पर उनका 'यू-टर्न' समझा जा रहा है।साक्षात्कार में उन्होंने कुशल अप्रवासी श्रमिकों के महत्व का बचाव करते हुए तर्क दिया कि अमेरिका लंबे समय से बेरोजगार अमेरिकियों को बिना व्यापक प्रशिक्षण के विनिर्माण और रक्षा क्षेत्र में जटिल भूमिकाओं के लिए नियुक्त नहीं कर सकता। यह पूछे जाने पर कि क्या एच 1 बी वीजा प्रतिबंध प्रशासन की बड़ी प्राथमिकता नहीं होंगे, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को दुनिया भर से प्रतिभाशाली लोगों को लाने की ज़रूरत है। ट्रंप ने कहा, हमें देश में प्रतिभाओं को लाना होगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिका में पर्याप्त प्रतिभाएँ नहीं हैं, तो ट्रंप ने जवाब दिया, नहीं, आपके

पास नहीं हैं। आपके पास कुछ क्षेत्रों में 'प्रतिभाएँ' नहीं हैं और आपको लोगों को 'सिखाना' होगा।

इस रुख में नरमी ट्रंप प्रशासन द्वारा एच-1 बी वीज़ा कार्यक्रम पर व्यापक कार्रवाई के बीच आई है, जिसका इस्तेमाल कंपनियाँ, खासकर तकनीकी कंपनियाँ, अमेरिका में विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए करती हैं। भारतीय पेशेवर, जिनमें तकनीकी कर्मचारी और चिकित्सक शामिल हैं, एच-1 बी वीज़ा धारकों के सबसे बड़े समूह में गिने जाते हैं।इस साल सितंबर में, डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1 बी गैर-आप्रवासी वीज़ा कार्यक्रम में सुधार के 'प्रारंभिक' कदम के रूप में 'कुछ गैर-आप्रवासी श्रमिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध' शीर्षक से एक 'उद्घोषणा' जारी की थी। उद्घोषणा के तहत, 21 सितंबर, 2025 के बाद दाखिल कुछ एच-1 बी आवेदनों के साथ पात्रता की शर्त के रूप में 100,000 अमेरिकी डॉलर का अतिरिक्त भुगतान को अनिवार्य किया गया था।हालांकि बाद में अमेरिकी विदेश विभाग ने स्पष्ट किया कि नई शुल्क आवश्यकता केवल उन व्यक्तियों या कंपनियों पर लागू होती है जो 21 सितंबर के बाद नए एच-1 बी का आवेदन दाखिल करते हैं या एच-1 बी लॉटरी में भाग लेते हैं। मौजूदा वीज़ा धारकों और उस तिथि से पहले जमा किए गए आवेदनों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। घोषणा के अनुसार, समय सीमा के बाद जमा किए गए प्रत्येक नई एच -1 बी वीज़ा आवेदन के साथ 100,000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान करना होगा, जिसमें 2026 लॉटरी में प्रवेश के लिए जमा किए गए आवेदन भी शामिल हैं।

page 1 and 3_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/14/2025 12:31 AM Page 2

भारत की स्वाधीनता के पक्षधर थे भगवान बिरसा मुंडा: सीएम योगी

लखनऊ, 13 नवंबर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा भारत की स्वाधीनता के पक्षधर थे। इसके लिए उन्होंने अभियान चलाया, जिस पर तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने उन्हें गिरफ्तार किया। मात्र 25 वर्ष की आयु में उन्होंने रांची की जेल में अंतिम सांस ली। उन्होंने जनजाति समुदाय को नारा दिया कि अपना देश-अपना राज। देश हमारा है तो राज भी हमारा ही होना चाहिए, विदेशी हुकूमत भारत में राज न करे। धरती आबा को श्रद्धांजलि देते हुए पीएम मोदी ने 15 नवंबर को जनजाति दिवस के रूप में आयोजित करने की प्रेरणा दी।

सीएम योगी ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में गुरुवार को ढोल-नगाड़ों की थाप से जनजाति भागीदारी उत्सव का शुभारंभ किया। सीएम ने यहां लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। सीएम ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान मेजबान उत्तर प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों के जनजाति कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति भी दी। सीएम योगी ने इस वर्ष की विशेषता बताते हुए इसे महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पहली से 15 नवंबर तक देश में जनजाति गौरव पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। सरकार द्वारा जनजाति समुदाय को समाज व राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ने व सम्मान के साथ आगे बढ़ने के लिए बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जा रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि सांस्कृतिक समागम में 22 राज्यों के कलाकारों को जुड़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। कलाकार सहभागिता की दृष्टि से अरुणाचल प्रदेश पार्टनर स्टेट है। गुजरात, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, सिक्किम, उड़ीसा, राजस्थान, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, मिजोरम, गोवा, केरल, पश्चिम बंगाल, असम, हिमाचल प्रदेश, असम, त्रिपुरा, झारखंड व पंजाब के कलाकार उत्तर प्रदेश में आकर जनजाति भागीदारी उत्सव में सहभागी बन रहे हैं। यहां हस्तशिल्प व कला प्रदर्शनी, व्यंजन मेला और जनजाति साहित्य को समर्पित साहित्यिक व विकास मंच भी है।

जनजाति समुदाय की शिक्षा का बढ़ा स्तर, मिल रहा शासन की योजनाओं का लाभ

सीएम योगी ने कहा कि जनजातीय समुदाय की आबादी यूपी में कम है। पहले सरकारी नौकरी के विज्ञापन निकालते थे तो अनुसूचित जाति की पूरी सीटें नहीं भरी पाती थीं। अभी हाल में 60,244 पुलिस की भर्ती की गई तो इसमें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटें उसी समाज के युवाओं से भरी गईं। यह चीजें दिखाती हैं कि उनके शिक्षा का स्तर, भागीदारी बढ़ी है। शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है।सीएम योगी ने कहा कि सरकार ने तय किया कि उत्तर प्रदेश में जितनी भी जनजातियां हैं, उन्हें अधिकार प्राप्त हो और उन्हें सेचुरेशन के लक्ष्य तक पहुंचाने की दिशा में कार्य हो। थारू, मुसहर, चेरो, बुक्सा, सहरिया, कोल, गौड़ आदि जनजातियों को शासन की सभी योजनाओं से आच्छादित करने के लिए सरकार ने मिशन मोड पर अभियान चलाया। परिणामस्वरूप ज्यादातर जनजातियों को विकास की योजनाओं (कनेक्टिविटी, पेयजल, बिजली, पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत) का लाभ दिया जा रहा है।

उपराज्यपाल कविंदर ने एनडीएस स्टेडियम में निर्माणाधीन इनडोर आइस हॉकी रिंक का निरीक्षण किया

लेह, 13 नवंबर (हि.स.)। लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने आज लेह के एनडीएस स्टेडियम में निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय स्तर के इनडोर आइस हॉकी रिंक का निरीक्षण किया।

इस दौरे के दौरान उपराज्यपाल ने भारत में आइस हॉकी के केंद्र के रूप में लद्दाख के उल्लेखनीय उदय की सराहना की और बताया कि इस क्षेत्र के खिलाड़ी पुरुष और महिला दोनों राष्ट्रीय टीमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने स्थानीय प्रतिभाओं को निखारने और एथलीटों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएँ प्रदान करने के लिए केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई।

कविंदर सिंह गुप्ता ने कहा कि 51 करोड़ रुपये की यह परियोजना लद्दाख के एक प्रमुख शीतकालीन खेल स्थल के रूप में उभरने के दृष्टिकोण का उदाहरण है। पूरा होने के बाद रिंक में एक पूरी तरह से स्वचालित चिलिंग प्लांट, आधुनिक दर्शक सुविधाएँ और साल भर अभ्यास और प्रतियोगिता के प्रावधान होंगे - जिससे लद्दाख के खेल बुनियादी ढाँचे में बदलाव आएगा और एथलीट ऑफ-सीज़न के महीनों में भी प्रशिक्षण ले सकेंगे।

खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों के दो संस्करणों की सफल मेजबानी के लिए युवा सेवा और खेल विभाग की सराहना करते हुए उपराज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी तीसरा संस्करण भी लद्दाख में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में एक औपचारिक प्रस्ताव भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय को पहले ही प्रस्तुत किया जा चुका है।

समय पर कार्यान्वयन की आवश्यकता पर बल देते हुए कविंदर गुप्ता ने अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने और चिलिंग सिस्टम की स्थापना को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया ताकि यह स्थल निकट भविष्य में साल भर राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंटों की मेजबानी के लिए तैयार हो सके।

उन्होंने कहा इस अत्याधुनिक सुविधा का निर्माण केवल बुनियादी ढाँचे के बारे में नहीं है यह भारत के शीतकालीन खेल आंदोलन का नेतृत्व करने की लद्दाख की बढ़ती महत्वाकांक्षा का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने आगे कहा कि प्रशासन लद्दाख के अद्वितीय भूगोल और प्रतिभा पूल का लाभ उठाकर इसे देश के शीतकालीन खेल केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए दृढ़ है।

निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक सचिव, युवा सेवा एवं खेल, मोसेस कुन्जांग; भारतीय आइस हॉकी महासंघ के अध्यक्ष, जामयांग त्सेरिंग नामग्याल; भारतीय आइस हॉकी महासंघ और लद्दाख आइस हॉकी संघ के सदस्य, तथा युवा सेवा एवं खेल विभाग और लोक निर्माण विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे।

भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2025 उत्तर प्रदेश की विश्व पटल पर नई आर्थिक उड़ान

लखनऊ, 13नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में एक भारत श्रेष्ठ भारत की थीम पर आधारित 44वें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले 2025 का आयोजन भारत मंडपम, नई दिल्ली में 14 से 27 नवंबर तक किया जा रहा है। इस वर्ष आयोजित किये जा रहे अतंर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान के साथ साझेदार राज्य के रूप में भाग ले रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन और मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश 44वें अतंर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में अपनी लोकल टू ग्लोबल की आर्थिक रणनीति को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करेगा। जिसका मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश को एक वैश्विक व्यापर के केंद्र के तौर पर विकसित करना, साथ ही प्रदेश के स्थानीय उत्पादों की पहुंच वैश्विक बाजार तक स्थापित करना है। इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा इस मेले को राज्य की वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना, युवा स्टार्टअप्स और बढ़ती हुई महिला उद्यमिता को प्रदर्शित करने के लिये भी की जाएगी।

वंदे मातरम समारोह के 150 वर्ष पूरे होने पर विशाल स्मारक रैली का आयोजन किया

शोपियां, 13 नवंबर (हि.स.)। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन शोपियां ने आज एक रैली और रस्साकशी प्रतियोगिता सहित देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों का आयोजन किया।

रैली को डीवाईएसएसओ, शोपियां, सुनील कुमार ने पदपवान शोपियां से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसमें युवाओं, अधिकारियों और नागरिकों की भारी उपस्थिति देखी गई।

प्रतिभागियों ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में वंदे मातरम के महत्व को दर्शाते हुए जीवंत नारों और बैनरों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और शांति का संदेश दिया। जिला प्रशासन ने युवाओं को रचनात्मक और राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में शामिल करने के लिए युवा सेवा एवं खेल विभाग के प्रयासों की सराहना की।

पशुपालन निदेशक जम्मू ने पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय के लिए किसानों के भ्रमण दौरे को हरी झंडी दिखाई

जम्मू, 13 नवंबर (हि.स.)। पशुपालन विभाग जम्मू के निदेशक डॉ. संजय गुप्ता ने आज 25 प्रगतिशील किसानों के एक समूह को सीएसके एचपी कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर (हिमाचल प्रदेश) के लिए चार दिवसीय अंतर-राज्यीय भ्रमण दौरे पर रवाना किया।

पशुपालन निदेशालय, तालाब तिल्लो के कार्यालय परिसर से शुरू किया गया यह भ्रमण केंद्र प्रायोजित एटीएमए (कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी) योजना के तहत आयोजित किया गया है।

जिसका उद्देश्य किसानों को उन्नत वैज्ञानिक डेयरी फार्मिंग प्रथाओं और पशुधन प्रबंधन से परिचित कराना है।

किसान विशेषज्ञों से बातचीत करेंगे, मॉडल डेयरी फार्मों का दौरा करेंगे और विश्वविद्यालय में अपनाए जा रहे वैज्ञानिक पशुधन आहार, प्रजनन, रोग प्रबंधन आदि पर प्रदर्शनों को देखेंगे। इस अवसर पर बोलते हुए, निदेशक ने पशुधन क्षेत्र में उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ाने के लिए आधुनिक पशुपालन प्रथाओं को अपनाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने किसानों को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने और वापस लौटने पर अपने अनुभवों को अन्य किसानों के साथ साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान किसानों के साथ प्रसार अधिकारी डॉ. मोहम्मद सज्जाद के नेतृत्व में प्रचार विंग के कर्मचारी भी मौजूद रहेंगे।

निदेशक स्वास्थ्य सेवाएँ जम्मू ने रियासी जिले में स्वास्थ्य केंद्रों के कामकाज की समीक्षा की

रियासी, 13 नवंबर (हि.स.)। स्वास्थ्य सेवाएं निदेशक जम्मू (डीएचएसजे) डॉ. अब्दुल हमीद जरगर ने आज जिले के अपने दौरे के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) पौनी और एनटीपीएचसी रानसू सहित स्वास्थ्य संस्थानों के कामकाज की समीक्षा की।

डॉ. जरगर ने चिकित्सा और पैरामेडिकल कर्मचारियों के साथ बातचीत की और रोगी देखभाल सेवाओं आवश्यक दवाओं की उपलब्धता और प्रयोगशाला एवं नैदानिक सुविधाओं के कामकाज की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जनता को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए समय की पाबंदी, स्वच्छता और निर्धारित उपचार प्रोटोकॉल के पालन पर ज़ोर दिया।

डीएचएसजे ने पहाड़ी और दूरदराज के इलाकों में लोगों को सेवाएं प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य कर्मचारियों की सराहना की और उनसे प्रतिबद्धता और करुणा के साथ अपना काम जारी रखने का आग्रह किया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने और जमीनी स्तर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के कार्यान्वयन को मजबूत करने के भी निर्देश दिए।

बाद में डॉ. जरगर ने जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी और ब्लॉक चिकित्सा अधिकारियों के साथ बैठक की और जनशक्ति, बुनियादी ढांचे और सेवा वितरण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने स्थानीय चुनौतियों का समाधान करने और क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने में निदेशालय की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

जीएमसी कठुआ में हंगामा, महिला की मौत पर मायके और ससुराल पक्ष में भिड़ंत

कठुआ, 13 नवंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में एक महिला की मौत के बाद उसके मायके और ससुराल पक्ष के लोगों में जीएमसी कठुआ परिसर में भिड़ंत हो गई। मृतक महिला के मायके पक्ष वालों ने उसके पति पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतक महिला के मायके पक्ष वालों ने बताया कि उनकी बेटी की शादी एक साल पहले हुई थी और उसका एक बच्चा भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि मृतक महिला का पति उसे अक्सर परेशान करता था और उसके साथ मारपीट करता था।

मृतक महिला के मायके पक्ष वालों ने बताया कि एक दिन पहले उनकी बेटी ने फोन पर उनसे बात की थी और कहीं शादी समारोह में जाने की बात कही थी। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी ने उनसे कहा था कि उसका पति उसे अक्सर परेशान करता है और उसके साथ मारपीट करता है। मृतक महिला के मायके पक्ष वालों ने ससुराल पक्ष पर आरोप लगाया है कि उसके पति ने उसे मारा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं परिजनों ने मांग की है कि इस मामले में निष्पक्ष जांच की जाए और दोषियों को सजा दी जाए। पुलिस ने परिजनों को आश्वासन दिया है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए विधायक डॉ. भारत भूषण ने सीडीएफ से 1 करोड़ रुपये जारी किए

कठुआ, 13 नवंबर (हि.स.)। कठुआ विधायक डॉ. भारत भूषण ने गुरूवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि से एक करोड़ रुपये जारी किए। गौरतलब है कि बादल फटने से आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण सड़कें, गलियाँ, नालियाँ और अन्य बुनियादी ढाँचे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए जिससे पेयजल और बिजली आपूर्ति बाधित हुई और कई अनमोल जानें गईं। कई घर पूरी तरह आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। जिसके चलते कठुआ के विधायक ने अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त सुरिंदर मोहन शर्मा की उपस्थिति में उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा को प्राधिकरण पत्र सौंपा। इस अवसर पर अन्य क्षेत्रीय अधिकारी भी उपस्थित थे। कठुआ विधायक डॉ. भारत भूषण ने बताया कि जिन परिवारों के घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे, उन्हें एक-एक लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। बारह आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त घरों के लिए प्रति परिवार पचास हजार रुपये की राशि अधिकृत की गई है। प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति बढ़ाने के लिए सौर ऊर्जा से चलने वाली लाइटें, गाद निकालने और कुओं को चालू करने तथा जमालपुर और पराला गाँवों के घरों से मलबा हटाने के लिए अधिकृत किया गया है। इसी प्रकार सड़कों, सुरक्षा कार्यों, गलियों और नालियों के अन्य जीर्णोद्धार कार्यों के अलावा निर्वाचन क्षेत्र में क्षतिग्रस्त बुनियादी ढाँचे के निर्माण के लिए भी अधिकृत किया गया है।

उधमपुर पुलिस ने मादक पदार्थों और गोवंश की तस्करी में शामिल 17 आरोपियों के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द किए

उधमपुर, 13 नवंबर (हि.स.)। अवैध गतिविधियों पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए उधमपुर पुलिस ने परिवहन आयुक्त जम्मू-कश्मीर के साथ मिलकर मादक पदार्थों की तस्करी और गोवंश की तस्करी में शामिल 17 लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करवाए हैं।

यह कार्रवाई उन मामलों के बाद की गई है जहाँ आरोपियों ने अपने वाहनों का दुरुपयोग मादक पदार्थों और गोवंश के अवैध परिवहन के लिए किया था।

उनके लाइसेंस रद्द करवाकर उधमपुर पुलिस का उद्देश्य आपराधिक कृत्यों में वाहनों के दुरुपयोग को रोकना और आदतन अपराधियों के बीच एक मजबूत निरोध पैदा करना है।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर द्वारा नीचे दिये गए कार्य के लिये योग्य और पंजीकृत बोलीदाताओं से फिरोजपुर मण्डल में ई-नीलामी में आमंत्रित किया जाता है:

नीलामी सूची सं.	नीलामी शुरू होने का समय और तारीख	कार्य का नाम
EAFZR-ATM25-3	26.11.25 को 11:00 बजे	फिरोजपुर छावनी, फगवाड़ा, ढंडारी कलां, होशियारपुर, नवां शहर दोआबा और फाजिल्का रेलवे स्टेशन पर एटीएम के प्रावधान के लिए अनुबंध का आवंटन ।
EAFZR-MIXED25-6	28.11.25 को 11:30 बजे	वंदे भारत गाड़ी संख्या 26462/26461 (फिरोजपुर छावनी -दिल्ली) में: 1) यात्रियों के लिए ऑन-बोर्ड मुफ्त लाइफस्टाइल पत्रिका के वितरण के लिए अनुबंध का आवंटन। 2) डिब्बों की सीटों के फूड ट्रे और हेडरेस्ट पर पैच के माध्यम से विज्ञापन अधिकारों का आवंटन। 3) डिब्बों में लगी हुई फैक्ट्री फिटेड LED स्क्रीन्स के माध्यम से विज्ञापन अधिकारों का आवंटन ।

विस्तृत जानकारी और पंजीकरण के लिए, कृपया रेलवे की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर जाएं।

संख्या: NR-FZR0COML(NFR)/18/2024 दिनांक 12.11.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3518/25

बडगाम उपायुक्त ने वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में साइकिल, बाइक और मैराथन रैलियों को हरी झंडी दिखाई

बडगाम, 13 नवंबर (हि.स.)। प्रतिष्ठित देशभक्ति गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में चल रहे समारोहों के एक हिस्से के रूप में, बडगाम जिला प्रशासन ने आज पूरे जिले में एकता, देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का संदेश फैलाते हुए जीवंत और जोशीली साइकिल रैलियों, बाइक रैलियों और मैराथन दौड़ की एक श्रृंखला का आयोजन किया।

रैलियों को बडगाम के उपायुक्त (डीसी) डॉ. बिलाल मोहिउद्दीन भट ने स्पोर्ट्स स्टेडियम बडगाम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर एडीसी मेहराजुद्दीन शाह, सीपीओ बडगाम, डीआईओ बडगाम और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। रैलियों का समापन रेलवे स्टेशन बडगाम पर हुआ, जो वंदे मातरम की शाश्वत भावना से प्रेरित होकर भारत की प्रगति की आगे की यात्रा का प्रतीक है। वंदे मातरम के जयघोष से वातावरण देशभक्ति के उत्साह से भर गया। भारत की विविधता में एकता का जश्न मनाते देशभक्ति संगीत और नारों ने प्रतिभागियों और दर्शकों को समान रूप से प्रेरित किया, जिससे सामूहिक ऊर्जा और मातृभूमि के प्रति समर्पण की लहर पैदा हुई। इस अवसर पर बोलते हुए, बडगाम के उपायुक्त ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम के ऐतिहासिक और भावनात्मक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस गीत ने स्वतंत्रता सेनानियों की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को प्रज्वलित करता रहा है। बडगाम के उपायुक्त ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस पहल का उद्देश्य युवाओं और नागरिकों को भारत की समृद्ध देशभक्ति और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना है, साथ ही फिटनेस, अनुशासन और सामुदायिक भागीदारी के मूल्यों को बढ़ावा देना है। उन्होंने बडगाम भर के छात्रों, स्वयंसेवकों और नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की, जिन्होंने बड़े उत्साह के साथ इस उत्सव में भाग लिया। इस कार्यक्रम में स्कूल और कॉलेज के छात्रों, युवा क्लबों के सदस्यों, एनएसएस स्वयंसेवकों और पुलिस एवं नागरिक प्रशासन के अधिकारियों की व्यापक भागीदारी देखी गई, जिससे स्पोर्ट्स स्टेडियम से लेकर बडगाम रेलवे स्टेशन तक का पूरा मार्ग तिरंगे और गीत के एक भावपूर्ण उत्सव में बदल गया।

जम्मू में वेंडर्स समाज सम्मेलन आयोजित, विधायक ने कहा- विक्रेता हमारे शहरों की धड़कन

जम्मू, 13 नवंबर (हि.स.)। जम्मू में अम्बफला मंडल अध्यक्ष स्वाति शर्मा के नेतृत्व में आयोजित वेंडर्स समाज सम्मेलन में स्थानीय विक्रेताओं और भाजपा कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य रेहड़ी-पटरी वालों के समाज और अर्थव्यवस्था में योगदान को सम्मान देना था। जम्मू पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक और वरिष्ठ भाजपा नेता युद्धवीर सेठी ने इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए कहा कि विक्रेता केवल व्यापारी नहीं बल्कि हमारे शहरों की जीवन-रेखा हैं। उन्होंने कहा कि विक्रेता हमारे समाज में श्रम की गरिमा, आत्मनिर्भरता और उद्यमिता की सच्ची भावना का प्रतीक हैं, जो हर घर तक आवश्यक वस्तुएं पहुँचाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

सेठी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं, विशेषकर प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की सराहना की जिसने महामारी के बाद लाखों रेहड़ी-पटरी वालों को छोटे ऋण और डिजिटल प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने कहा कि इन पहलों से स्व-नियोजित समुदायों को सम्मानपूर्वक अपनी आजीविका फिर से शुरू करने का अवसर मिला है। भाजपा विधायक ने जम्मू प्रशासन की भी प्रशंसा की, जिसने इन योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया। उन्होंने विक्रेताओं को स्वच्छता, अनुशासन और नगर निकायों के साथ सहयोग बनाए रखने की सलाह दी ताकि उनकी कार्य स्थितियाँ और सामाजिक सम्मान दोनों में सुधार हो सके।

सेठी ने कहा कि मोदी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि प्रत्येक मेहनती विक्रेता को देश की आर्थिक धारा में उचित स्थान मिले। उन्होंने विक्रेताओं को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं में पंजीकरण कराने, स्वास्थ्य बीमा का लाभ उठाने और डिजिटल भुगतान

प्रणालियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। सम्मेलन में कुलदीप कंधारी, रमन शर्मा, अरविंद खजूरिया, अक्षय शर्मा, करण शर्मा, पूजा शर्मा, कमलजीत कौर, शारदा देवी और उमा भाटिया सहित भाजपा के अन्य नेता भी मौजूद रहे। अंत में युद्धवीर सेठी ने समाज के हर वर्ग की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और विक्रेताओं की समस्याओं के समाधान के लिए हर स्तर पर आवाज उठाने का आश्वासन दिया।